कोटद्वार, मंगलवार
20 अगस्त 2024
वर्ष: 46
अंक: 114 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

जमीन के नाम पर सूबेदार मेजर समेत तीन से 26 लाख हड़पे

विकासनगर। सेना में सूबेदार मेजर सहित उसके फौजी भाई और बहन से तीन लोगों ने जमीन के नाम पर 26 लाख रुपये हड़प लिए। शिकायत के बाद सेलाकुई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना सेलाकुई में दी गई तहरीर में 21 गढ़वाल राइफल्स में सूबेदार मेजर महावीर सिंह ने बताया कि अपने बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए उन्हें एक प्लॉट की आवश्यकता था। जिसके लिए वह नीरज शर्मा पुत्र महेश शर्मा, निवासी कौलागढ़ रोड, उनकी पत्नी आशू शर्मा और ज्योति पंवार निवासी श्यामपुर से मिला। नीरज शर्मा ने खुद को इंवेस्टर्स फोरम का निदेशक बताते हुए कहा कि वह प्रॉपर्टी का कार्य करते हैं। इसके बाद उन्होंने उन्हें शीशमबाड़ा में एक प्लॉट बताया। प्लॉट का सौदा 15 लाख 75 हजार रुपये में हुआ था। पीड़ित के मुताबित इसके बाद उन्होंने उन्हें 7 लाख 60 हजार रुपये अग्रिम रूप में दे दिए। तय किया गया था कि रजिस्ट्री होने के बाद बाकी की रकम दे दी जाएगी। पीड़ित के मुताबिक वह रजिस्ट्री के लिए लगातार आरोपियों को बोल रहे हैं, लेकिन वह रजिस्ट्री नहीं कर रहे हैं। जिस पर शक होने पर उन्होंने पता किया तो मालूम चला कि जिस प्लॉट को बेचने की बात कही जा रही है, वह गोल्डन फॉरेस्ट की जमीन है। पीड़ित ने बताया कि आरोपी नीरज शर्मा ने उसके भाई कुलवीर जो सेना में कार्यरत हैं और बहन सरिता के भी 18 लाख 30 हजार रुपये हड़प लिए है। थाना प्रभारी शैंकी कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

आसन नदी के बीच टापू में फंसे पांच मजदूर

विकासनगर। आसन नदी का जल स्तर बढ़ने से सोमवार को पांच लोग अपने मवेशियों के साथ नदी के बीच बने टापू पर फंस गए। सूचना मिलने पर सहसपुर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने सभी लोगों और उनके मवेशियों को सुरक्षित नदी से बाहर निकाला। देहरादून जनपद में लगातार हो रही बारिश से सोमवार को पछुवादून के सहसपुर में आसन नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने से नदी में रेत बजरी छानने का काम करने वाले पांच लोग अपने मवेशियों के साथ नदी के बीच बने टापू में फंस गए। स्थानीयों ने लोगों के मामले की सूचना थाना सहसपुर पुलिस को दी। पुलिस की सूचना पर एसडीआरएफ डाकपत्थर से अपर उपनिरीक्षक सुरेश तोमर के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और थाना पुलिस के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टापू पर फंसे मजदूरों को उनके मवेशियों करे सकुशल नदी से बाहर निकाला। टापू में फंसे सुजीत सिंह, मुनेश कुमार, बचन सिंह, मामचंद और अनिल कुमार सभी लोग तिपरपुर के निवासी थे, जो नदियों में रेत बजरी छानकर उसे भैंसा बुग्गी पर बेचते हैं। सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी ने बताया कि सभी मजदूरों को सकुशल नदी से बाहर निकाल लिया गया है।

विकासनगर–बड़कोट एनएच चौथे दिन भी बंद रहा

विकासनगर। जौनसार बावर क्षेत्र में बंद हुए अधिकांश मार्ग सोमवार को यातायात के लिए बहाल हो गए। कोई नया मार्ग भी बंद नही हुआ। जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। लेकिन विकासनगर–बड़कोट राष्ट्रीय राजमार्ग पिछले चार दिन से बंद होने से बड़ी आबादी प्रभावित हो रही है। शुक्रवार को बंद हुआ बड़कोट राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने के बाद शनिवार सुबह दोबारा बंद हो गया था। सड़क से मलबा हटाने के लिए जेसीबी लगी हुई है। प्रांतीय खंड देहरादून के कोटड़ा–कल्याणपुर–बरवा–लांघा मार्ग दो जगह छह दिन बंद रहे। लोनिवि सहिया के ड्यूडीलानी से ढलीन–सकरोल मोटर मार्ग पिछले इक्कीस दिन से और लोनिव चकराता के रावना–पुरोड़ी मोटर मार्ग 9 जुलाई, टुंगरा संपर्क मार्ग 20 जून से बंद है। इन मार्गों से जुड़े लोगों के लिए रावना संपर्क मार्ग और लागापोखरी संपर्क मार्ग से वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इन मार्गों के बंद होने से रक्षाबंधन का त्योहार मनाने अपने भाई–बहन के घर जा रहे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

बग्वाल मेला हमारी लोक संस्कृति, आस्था और परंपराओं का संगम : धामी

●पीढ़ी दर पीढ़ी लोक संस्कृति और परम्पराओं को आगे बढ़ाना हम सभी का कर्तव्य ●विश्व प्रसिद्ध पाषाण युद्ध के साक्षी बनें मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर चंपावत जिले के देवीधुरा स्थित मां वाराही धाम में लगने वाले बगवाल मेले में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने माँ वाराही मंदिर में घंटी चढ़ाई तथा राज्य की खुशहाली एवं तरक्की की कामना की। मुख्यमंत्री, मां वाराही धाम में चार खाम सात थोक के बीच फलों फूलों से खेले जाने वाले विश्व प्रसिद्ध पाषाण युद्ध के साक्षी बने। इस वर्ष पाषाण युद्ध करीब 11 मिनट तक चला। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोक कलाकार गिरीश बरगली द्वारा तैयार ह्रजय मां वाराहीह्व वीडियो को लांच किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि रीठा में रतिया नदी में बाढ़ सुरक्षा का निर्माण कार्य एवं वैकल्पिक एप्रोच रोड का निर्माण कार्य किया जायेगा एवं मानसखण्ड कॉरीडोर के अन्तर्गत वाराही मंदिर के छूटे हुये अवस्थापना कार्यों को सम्मिलित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलो का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए सभी देवी-देवताओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि देवीधुरा के ऐतिहासिक और रमणीक क्षेत्र में आकर स्वयं को अभिभूत महसूस कर रहा हूं। बग्वाल मेला हमारी लोक संस्कृति, आस्था और परंपराओं का संगम है। यह मेला हमारी संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ ही हमारी संस्कृति का भी संवर्धन करता है। उन्होंने कहा कि पुरानी परंपराओं को निभाने और आगे बढ़ाने की ऊर्जा आने वाली पीढ़ी को मिलती रहनी चाहिए। पीढ़ी दर पीढ़ी लोक संस्कृति को आगे बढ़ाना हम सभी का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि देवभूमि के कण-कण में देवताओं का वास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ ही पौराणिक स्थलों का भी संवर्धन कर रही है। मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के पौराणिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। देवीधुरा भी इस मिशन का महत्वपूर्ण भाग है। उन्होंने कहा कि चार धामों के साथ ही मानसखंड में मंदिरो को भी रोपवे से जोड़ने का कार्य जारी है। माँ पूर्णागिरि धाम को रोप-वे से जोड़ा जा रहा है। मानसखंड यात्रा के तहत विशेष ट्रेन भी चलवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में मंदिर के संवर्धन के साथ ही कृषि, दुग्ध उत्पादन, शिक्षा, बागवानी, जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। चंपावत महाविद्यालय को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कैंपस के रूप विकसित किया जा रहा है। चंपावत मुख्यालय में एआरटीओ का उप कार्यालय खोला गया है। चंपावत को आदर्श जिला बनाने के साथ ही उत्तराखंड को एक सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति राय, विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, विधायक राम सिंह कैड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष निर्मल महरा, पूर्व सांसद डॉ. महेंद्र सिंह पाल, उपाध्यक्ष सेतु राजशेखर जोशी, बाराही मंदिर समिति संरक्षक लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, अध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी नवनीत पांडे, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड में कुमाऊं–नैनीताल समेत कई इलाकों में भारी बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड में धूप और बादलों की आंख–मिचौनी जारी है। कहीं–कहीं भारी वर्षा का क्रम भी बना हुआ है। खासकर कुमाऊं में ज्यादातर क्षेत्रों में घने बादलों के बीच झमाझम वर्षा जारी है। देहरादून में भी सुबह से आंशिक बादल मंडराने के बाद शाम को तीव्र वर्षा हुई। शहर में कई इलाकों में हुई भारी वर्षा से जगह–जगह जलभराव भी हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, आज प्रदेश में आंशिक बादल छाये रह सकते हैं। कुमाऊं के बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा के आसार हैं। इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

गरज–चमक के साथ हो सकती है तेज बारिश

वहीं, देहरादून समेत अन्य जिलों में भी गरज–चमक के साथ तीव्र वर्षा के दौर हो सकते हैं। दून में भी तीव्र वर्षा के दौर जारी हैं। रविवार को सुबह से आंशिक बादलों के बीच दून में धूप भी खिली, हालांकि दोपहर बाद आसमान में घने बादल घिर आए। गरज के साथ कहीं–कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। शाम तक कुछ क्षेत्रों में बौछारें भी पड़ीं। हालांकि, करीब साढ़े चार बजे शहर के ज्यादातर क्षेत्रों में झमाझम वर्षा का क्रम शुरू हो गया। करीब आधा घंटा जोरदार वर्षा हुई, जिससे नदी–नाले उफान पर आ गए। वहीं, शहर के ज्यादातर चौक–चौराहे जलमग्न हो गए। सड़कों पर पानी बहता रहा। नालियों के ओवरफ्लो होने से सड़क पर वर्षा का पानी बहने लगा और आवाजाही प्रभावित हुई। दुपहिया वाहन सवारों को इस दौरान खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा : तीन तलाक मुस्लिम महिलाओं के लिए खतरनाक, कड़ी सजा जरूरी

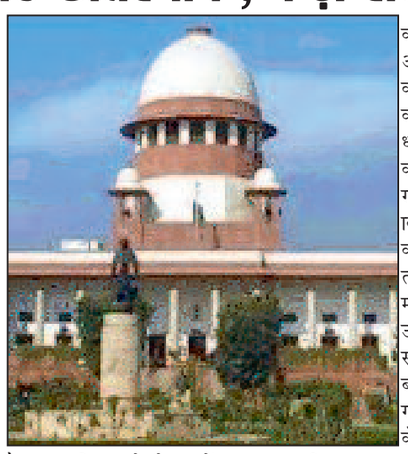

नई दिल्ली ,केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में तर्क दिया है कि तीन तलाक समाज में वैवाहिक व्यवस्था के लिए अत्यंत खतरनाक है और यह मुस्लिम महिलाओं की स्थिति को दयनीय बना देता है। केंद्र ने कहा कि तीन तलाक के मामलों को नियंत्रित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के 2017 के आदेश ने अपेक्षित प्रभाव नहीं डाला है और इसलिए इसे क्रिमिनलाइज करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तीन तलाक की पीड़िताओं के पास केवल पुलिस के पास जाने का विकल्प रह जाता है, जबकि पुलिस भी इस मामले में कार्रवाई करने में असमर्थ रहती है, क्योंकि कानून में कड़ी सजा का प्रावधान नहीं है। यह बयान तब सामने आया जब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि जब कोर्ट ने तीन तलाक को अवैध करार दे दिया है, तो इसे क्रिमिनलाइज करने का कोई औचित्य नहीं है। इस याचिका को लेकर केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि हाल ही में केरल की समस्त जमाइतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला (विवाह के बाद अधिकारों की रक्षा) कानून 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि यह कानून मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और धर्म के आधार पर किसी कानून को अपराध मानना गलत है। केंद्र ने याचिकाकर्ता के दावों को खारिज करते हुए कहा कि तीन तलाक महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और संविधान में महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिया गया है। संसद ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाया है जो लैंगिक न्याय और समानता को सुनिश्चित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि वह कानून बनाने की प्रक्रिया में बहुत ज्यादा हस्तक्षेप नहीं करेगा और विधायिका को अपने कार्य करने का पूरा अधिकार है।

घर में घुसकर फायरिंग, मारपीट के मामले में 11 पर केस

रुद्रपुर। भूरारानी में बीते शनिवार मामूली बहस के बाद एक महिला अपने रिश्तेदार के साथ एक महिला के घर में घुस गई। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने फायरिंग कर महिला से मारपीट की और उनकी बेटी के कपड़े फाड़कर अश्लील हरकत भी की। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने 11 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। भूरारानी वार्ड नंबर 32 निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते 17 अगस्त की शाम साढ़े पांच बजे उनका संजीत साहनी से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों अपने घर चले गए। आरोप है कि उसी रात करीब 11 बजे संजीत अपने भाई संजय साहनी, पिता छनझट, चाचा भगवान दास, जीजा राहुल, फूफेरे भाई मनोज, बेटा मन्नू, पत्नी चन्दा, चाचा की बेटी रंजीत साहनी, साला आशु साहनी सहित अन्य लोग लाठी–डंडे, तलवार और तमंचे लेकर उनके घर में घुस गए। वहीं उन्होंने उसपर हमला कर घर में तोड़फोड़ की।

गुप्तांगों समेत शरीर पर 14 से अधिक चोटों के निशान

●कोलकाता केस की पीएम रिपोर्ट में हुए कई खुलासे

कोलकत्ता , कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी निर्मम हत्या से पूरा देश आहत है। पीड़िता के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि उसके शरीर पर गंभीर चोटें थीं, जो मौत से पहले उसे दी गई थीं। शव परीक्षण में पीड़िता के सिर, दोनों गाल, होंठ, नाक, दाहिने जबड़े, ठोड़ी, गर्दन, बाएं हाथ, कंधे, घुटने और टखने के साथ–साथ उसके निजी अंगों के अंदर 14 से अधिक चोटें पाई गईं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने पीड़िता की मौत का कारण हाथ से गला घोंटना बताया है और मौत के तरीके को क्रूर हत्या बताया है। ट्रेनी डॉक्टर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया है, उसके गुप्तांग में जबरदस्ती प्रवेश/प्रविष्ट करने के चिकित्सीय साक्ष्य मिले हैं, जिससे उसके साथ किए गए यौन उत्पीड़न की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि पीड़िता के जननांग में एक सफेद, गाढ़ा, चिपचिपा तरल पदार्थ पाया गया है जो सिमेन हो सकता है। पीड़िता के रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के नमूने आगे की जांच के लिए भेजे गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फेफड़ों में रक्तस्राव और शरीर में अन्य जगहों पर रक्त के थक्के जमने का भी खुलासा किया गया है। हालांकि उसके शरीर पर फ्रैक्चर का कोई निशान नहीं मिला है। पुलिस ने कहा था कि ट्रेनी डॉक्टर 9 अगस्त को अस्पताल के सेमिनार कक्ष में मृत पाई गई थी। कोलकाता पुलिस के एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को घटना के अगले दिन अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में कोलकत्ता उच्च न्यायालय ने जांच सीबीआई को सौंप दिया था। सार्वजनिक आक्रोश के बीच, आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और तब से सीबीआई उनसे पूछताछ कर रही है।

आरक्षण छीनना चाहती है सरकार-राहुल गांधी

भाजपा पर लगाये आरोप

नई दिल्ली, कांग्रेस ने लेटरल एंट्री के मुद्दे पर सोमवार को हमला तेज कर करते हुए भाजपा पर 'आरक्षण छीनने' का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए निर्धारित पद अब आरएसएस के लोगों को मिलेंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, सरकारी कर्मचारियों की भर्ती के लिए लेटरल एंट्री दलितों, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है। उन्होंने भाजपा पर 'बहुजनों' से आरक्षण छीनने का आरोप लगाया।

खरगे का दावा– मोदी सरकार ने...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कुछ विशिष्ट पदों पर उनकी उपयोगिता के अनुसार विशेषज्ञों को नियुक्त करने के लिए लेटरल एंट्री की व्यवस्था की थी, लेकिन मोदी सरकार ने दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों को छीनने के लिए इसका प्रविधान किया है। ये आरक्षण छीनकर संविधान को बदलने का भाजपाई चक्रव्यूह है। दरअसल संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने लेटरल एंट्री के माध्यम से 45 विशेषज्ञों की भर्ती का शनिवार को विज्ञापन निकाला है। इनके तहत विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति की जानी है। लेटरल एंट्री का मतलब निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती से है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार के मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों की भर्ती की जाती है। यह अवधारणा सबसे पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान पेश की गई थी।

राहुल गांधी ने सोमवार को उबर कैब में अपनी यात्रा का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम। ये है भारत के गिग वर्करों की व्यथा! सुनील उपाध्याय के साथ उबर यात्रा के दौरान चर्चा में और फिर उनके परिवार से मिल कर देश के कैब ड्राइवरों और डिलीवरी एजेंटों जैसे गिग वर्करों की समस्याओं का जायजा लिया।

इनका गुजारा तंगी से चल रहा है। न कोई बचत और न ही परिवार के भविष्य का आधार। इनके समाधान के लिए कांग्रेस की राज्य सरकारें ठोस नीतियां बना कर न्याय करेंगी। गिग वर्कर ऐसे कामगार को कहते हैं जो सेवा क्षेत्र में अस्थायी नौकरी करता है।

बिस्कुट खाने से 200 से अधिक छात्रों की तबीयत बिगड़ी, मचा हडक़ंप; 7 की हालत गंभीर

छत्रपति संभाजीनगर , महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठण तालुका के केकट जलगांव जिला परिषद स्कूल के 200 से अधिक छात्र मिड–डे मील के बिस्कुट खाने से बीमार पड़ गए जिनमें से सात की हालत गंभीर होने पर इन्हें दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। छात्रों के बीमार होने से स्कूल में हडक़ंप मच गया। गंभीर सात छात्रों की हालत बिगडऩे पर उन्हें आगे के इलाज के लिए छत्रपति संभाजीनगर ले जाया गया और रिपोर्ट बताती है कि अन्य छात्रों की तबीयत भी बिगड़ रही है। यह घटना पैठण तालुका के केकट जलगांव में जिला परिषद स्कूल में हुई जहां शनिवार को छात्रों को बिस्कुट बांटे गए थे। इन बिस्कुटों को खाने के कुछ ही देर बाद छात्रों की तबीयत बिगडऩे लगी और उन्हें बुखार होने लगा। सभी प्रभावित छात्रों को पहले पाचोड़ के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार की सुबह सात प्रभावित छात्रों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें इलाज के लिए छत्रपति संभाजीनगर सिविल अस्पताल रेफर किया गया है।

मनीष सिसोदिया का बड़ा आरोप

विधानसभा चुनाव तक 'आप' नेताओं को जेल में रखना चाहती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली , दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जल्द जेल से बाहर आएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को जेल में बंद रखने का आरोप लगाया।मनीष सिसोदिया जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे गए हैं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं साथ बैठक की। लोगों से संवाद के लिए सिसोदिया पदयात्रा भी कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया के मुताबिक पदयात्रा के साथ संगठन को भी मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पदयात्रा को जनता का समर्थन मिल रहा है, जिस तरह से आम आदमी पार्टी के नेताओं को जेल में बंद किया गया है, उससे दिल्ली की जनता में आक्रोश है। पहले सत्येंद्र जैन और मुझे जेल के अंदर बंद कर दिया। उसके बाद हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को षड्यंत्र के तहत जेल में डाल दिया गया। दिल्ली की जनता केजरीवाल की गिरफ्तारी से नाराज है।मनीष सिसोदिया ने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी तरह से विधानसभा चुनाव तक हमारी पार्टी के नेताओं को जेल के अंदर बंद रखना चाहती है। मनीष सिसोदिया जेल से बाहर आकर लगातार लोगों से मिल रहे हैं।

पर्यटन स्थलों में बढ़ी रौनक, वीकेंड पर हल्द्वानी में काठगोदाम से रानीबाग तक जाम

नैनीताल । सरोवर नगरी में सैलानियों की भीड़ रही। पर्यटन स्थल गुलजार नजर आए। नगर के अधिकांश होटल पैक हो गए। चार दिवसीय लंबे वीकेंड में शनिवार को शहर के अधिकांश होटलों सहित होमस्टे व सरकारी गेस्ट हाउस भी फुल हो गए। रविवार को और ज्यादा भीड़ बढ़ने की संभावना है। पर्यटन से जुड़े कारोबारी टैक्सी चालक, घोड़ा चालक, रेस्टोरेंट, नाव चालक व गिफ्ट सेंटर वाले खुश नजर आए। इस बीच झील में नौका विहार करने वाले सैलानियों का तांता लगा रहा। भोटिया बाजार में सैलानियों की भारी भीड़ रही। स्नोव्यू, राजभवन, चिड़ियाघर, हिमालय दर्शन व केव गार्डन में भीड़ रही। मस्जिद तिराहा, भवाली रोड, मोहन को चौराहा व हल्द्वानी मार्ग में कई बार जाम लगा।

वीकेंड पर हांफे इंतजाम, काठगोदाम से रानीबाग तक जाम

वीकेंड पर हल्द्वानी में यातायात व्यवस्था पटरी से उतर गई। काठगोदाम से रानीबाग तक जाम रहा। आलम यह था कि एक किलोमीटर का सफर तय करने में एक घंटे का समय लग गया। स्थानीय लोगों के अलावा बाहरी राज्यों के पर्यटकों ने दिन भर जाम से परेशानी झेली। काठगोदाम रेलवे स्टेशन रोड से रानीबाग तक संकरी सड़क है। वीकेंड या पर्यटन सीजन शुरू होने पर वाहनों का दबाव बढ़ता है। ऐसे में यहां जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। शनिवार को इसी क्षेत्र में वाहनों का रेला उमड़ पड़ा। भीमताल, नैनीताल व अन्य पर्वतीय जिलों को जाने वाले वाहन जाम में फंस गए। यात्रियों को अपने गंतव्य के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। वाहन रेंगते हुए आगे बढ़े। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम की स्थिति पैदा हो गई थी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हार्ट अटैक से कांग्रेस नेता की मौत

बेंगलुरु, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में सोमवार को एक दुखद घटना घटी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कुरुबा समुदाय संघ के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सी.के. रविचंद्रन (63) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। दरअसल, रविचंद्रन प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के समर्थन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इसी दौरान, उन्हें अचानक हार्ट अटैक आया और वह कुर्सी से गिर पड़े और देखते ही देखते उनकी मौत हो गई। घटना से कांग्रेस पार्टी और स्थानीय समुदाय में शोक की लहर फैल गई है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, राज्यपाल के अभियोजन के आदेश के खिलाफ कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक एसोसिएशन की ओर से बेंगलुरु प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते समय, एसोसिएशन के सदस्य और हमारी पार्टी के कार्यकर्ता सी.के. रविचंद्रन का दिल का दौरा पड़ने से मौत की खबर सामने आई। उन्होंने आगे लिखा, संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में हमारे साथ रहे रविचंद्रन के निधन से बहुत दुख हुआ है।

52 दिनों से चल रही अमरनाथ यात्रा आज होगी संपन्न, करीब पांच लाख लोगों ने किए दर्शन

श्रीनगर ,पिछले 52 दिनों से चल रही अमरनाथ यात्रा आज संपन्न हो जाएगी। अब तक लगभग पांच लाख यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। महंत स्वामी दीपेंद्र गिरि द्वारा ले जाई गई छड़ी मुबारक (भगवान शिव की चांदी से बनी गदा) ने सोमवार सुबह पंचतरणी से पवित्र गुफा तक अपनी यात्रा का अंतिम चरण शुरू किया। इस वर्ष यह यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 52 दिनों के बाद आज (सोमवार) समाप्त होगी। जम्मू से लेकर बालटाल और नून (पहलगाम) के दो बेस कैंपों तक यात्रा मार्ग पर पुलिस और सीएपीएफ की उपस्थिति, ट्रांजिट कैंपों में तैनात सुरक्षा के साथ स्थानीय लोगों के पूर्ण सहयोग से इस वर्ष यात्रा काफी सफल रही। भगवान शिव की स्तुति में 'बम बम भोले' और वैदिक मंत्रों का जाप करते साधुओं और भक्तों के साथ छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा अंतिम पड़ाव शिविर पंचतरणी से शुरू हुई, जो कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर की ओर है। गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती–बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतिनिधित्व करती है।

संपादकीय

देश में सत्ता परिवर्तन

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब–जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब–तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत पिछले लगभग 2000 वषों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वषों के खंडकाल को छोडक़र) पूरे विश्व में आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा और इसे सोने की चिडिय़ा कहा जाता रहा। 712 ईस्वी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था परंतु 1750 ईस्वी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा, बल्कि भारत की संस्कृति पर भी गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वषों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूटखसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोरजबरदस्ती एवं मारकाट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिन्दू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न–भिन्न किया जाए। ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा है कि देश में हिन्दू है ही नहीं, बल्कि सिख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि–आदि। जातियों के आधार पर जन गणना की मांग की जा रही है ताकि समस्त सुविधाओं को हिन्दू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा–फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक बार पुनः भारत ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है जिसमें आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति के सामने बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। देश में निवासरत 80 प्रतिशत आबादी हिन्दू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिन्दू समाज में व्याप्त समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देशप्रेम का भाव, स्व–समर्पण का भाव कूट–कूट कर भरा है। कहा भी जाता है कि हिन्दू जीवन दर्शन ही पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिन्दू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं, और उनकी पूजा भी करते हैं। हिन्दू संस्कारों में पला–बढ़ा नागरिक सहिष्णु होता है। इसी के चलते कहा जा रहा है कि कई देशों में बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिन्दू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिन्दू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गलत काम हो ही नहीं सकता। कई देशों के बीच कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, वे आपस में लड़ रहे हैं, अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन–रूस के बीच युद्ध एवं हमास– इस्त्राइल युद्ध इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं।

106वें जन्मदिन पर विशेष

हिमालय का साधक कवि चन्द्रकुँवर बर्त्वाल

हेमंत चौकियाल
रूद्रप्रयाग (उत्तराखंड)

20 अगस्त सन 1919 को उत्तराखंड के अगस्त्यमुनि तीर्थ के नजदीक मालकोटी गाँव में जन्म लेकर मात्र 28 वर्ष 24 दिनों के छोटे से जीवन काल में चन्द्रकुँवर बर्त्वाल ने हिन्दी साहित्य को सौंपी 750 से अधिक कविताओं की निधि में दौ सौ से अधिक कविताओं में हिमालय के सौंदर्य को उकेरा है। चन्द्रकुँवर का हिमालय से साक्षात्कार बाल्य काल में अपने घर के आंगन में घुटनों के बल घिसटते समय मुँह में अगूंठा रखकर चूसते वक्त ही हो गया था, क्योंकि उनके घर के ठीक पूर्व दिशा में चौखम्बा की छटा देखते ही बनती है। अब केवल उस दृश्य कल्पना ही की जा सकती है कि एक छोटा बच्चा मुँह में अगूंठा डाले अपलक, सूर्योदय के वक्त रवि रश्मियों के गिरने से पल–पल रंग बदलते चौखम्बा की छवि उसके बाल मन पर क्या क्या चित्र उकेरा करती रही होगी? पगडण्डियों पर अपने बाल सखाओं की टोली के साथ गायों को चरा कर , गोधूली बेला पर जब बाल चन्द्रकुँवर अवसान की ओर जा रहे रवि रश्मियों से पल पल रंग बदलते चौखम्बा की नयनाभिराम दृश्यावलियों ने तो तभी कविता के बीज उसके सुकोमल मन में बो दिये रहे होंगे। तभी तो वे यह लिखने में सक्षम हुए कि –

लगी दिखने आज हिमालय की
बर्फानी रजत चोटियाँ/
बादल आज देखते ही रह गये/
बर्फ से भरी घाटियाँ।।

कवि चन्द्रकुँवर बर्त्वाल ने पृथ्वी और आकाश के बीच फैले हिमालय और हिमालयी पर्यावरण को अपने साहित्य का कथोपकथन ही नहीं बनाया बल्कि शब्दों में उन चित्रित बिम्बों को खींचकर पाठकों के मन मस्तिष्क पर अमिट रूप से अंकित कर दिया–

रोवेगी रवि के चुम्बन से/
अब सानंद हिमानी।
गूँज उठेगी अब गिरि गिरि के/
उर से उन्मद वाणी।।

हिमालय को यह प्रतिमान सर्वकालीन कवियों में कोई न दे पाया जो बर्त्वाल जी ने दिया है।

हिमानी (हिम से भरी हिमालय की घाटियों) पर पड़ती धूप की किरणों से बर्फ के पिघलने को जिस तरह से उन्होंने हिमालय के रोने का प्रतिमान देकर उस जल का बहकर गिरि(जंगलों) तक पँहुचने पर वृक्षों का प्रसन्न होने (उन्मद वाणी) को निरूपित किया है वह साहित्य में अन्यत्र बहुत कम दृष्टव्य होता है।

गीत माधवी के 31वें छन्द में कवि लिखते हैं कि –

गिरि से सुदूर मैंने देखा/
थी चमक रही सरिकी रेखा/
अस्पष्ट क्षितिज के अंतर पर/
वह ऐसी थी लग रही सुघर/
मेघों में जैसे शशि लेखा।।

इसी कविता के 64वें छंद में एक बार फिर कवि पूर्व दिशा के हिमशिखर से उड़ते बादलों (क्योंकि हिमशिखर कवि के घर की पूर्व दिशा में है) का वर्णन करते हुए लिखता है कि –

पूर्व दिशा से उड़ने लगते/
जब कुंकुम के बादल/
धरणी पर हे गिरने लगता,/
जब अनुराग सुकोमल।।

चन्द्रकुँवर के साहित्य में केवल प्रकृति चित्रण के ही दर्शन नहीं होते बल्कि उसमें वहाँ की मिट्टी की सौंधी गंध के साथ वहाँ का जन जीवन, रहन–सहन, वहाँ की विचारधारा और रूढ़ियाँ भी हैं।

कवि के ही शब्दों में कहें तो – उनका परिचय इस प्रकृति से बहुत पुराना है। जन्म जन्मांतर का है, उसकी यदि कोई अन्तिम इच्छा है तो वह यही कि यदि उसका पुनः जन्म हो तो इन्ही फूलों से लदी घाटियों, हिम से ढकी चोटियों के बीच हो–

तुम्हारे साथ अनेकों प्रात,/मनोरम
दो पहरें निर्वात/
अनेकों बीती संन्ध्याएं, अनेकों रातें
पुलकित गात/
न जाने कितने प्रिय जीवन, किए
मैंने तुमको/
अपर्ण माधुरी मेरे हिमगिरि की।।

चन्द्रकुँवर जी की कविताओं में बादल, वर्षा और हिमालय का विशेष स्थान है। हिमालय चन्द्र कुँवर के लिए बहुआयामी सा लगता रहा है। जिसको वे जितनी बार भी देखते हैं, नित नयें रूप में पाते हैं। वे उसके विविध रूपों को वर्णित करते हुए नहीं अघाते। यह हिमालय की ही परिवर्तन शीलता है कि कवि की अस्थिरता नहीं। स्वयं वे हिमालय के बारे में लिखते हैं –

देखकर भी रात–दिन मैं स्वर्ग सुन्दर/
हिमालय से प्राण अपने भर न पाया/
नयन में वह चारू शोभा धर न पाया/

इस हिमालय के वे अनेक रूपों का वर्णन करते हैं। हिमालय की शुभ्र, स्वच्छ और उज्जवलता को देखकर कवि उसे पूछ बैठता है –

किस प्रकाश का हास तुम्हारे मुख
पर छाया/
तरूण तपस्वी तुमने किसका दर्शन
पाया/
सुख–दुख में हंसना ही किसने
तुम्हें सिखाया/
किसने छू कर तुम्हें स्वच्छ निष्पाप
बनाया?

हिमालय को देखकर ये प्रश्न कई लोगों के मन में उठे होंगे, पर उन प्रश्नों को सरल भाव और भाषा के माध्यम से कवित्वपूर्ण ढंग से चन्द्रकुँवर ही पूछ पाये। ये चन्द्रकुँवर की कविता का ही कमाल है कि जिस हिमालय पर अनेकों तपस्वी तप करते रहे और करते हैं उस हिमालय की शोभा उन्होंने इन शब्दों में वर्णित की –

ये आनंद लोक के गिरि हैं,/
सदा जहाँ नयनों में/
हंसता है हिम उज्जवल।
जहाँ ग्रीष्म में ही रहते हैं,/
उग्र ज्वलनमय भास्कर/
शशि से हो प्रिय शीतल।।

चन्द्रकुँवर का हिमालय वर्णन संस्कृत के महान कवि कालीदास से प्रभावित है। कालीदास ने तो हिमालय की महिमा–"अस्त्युरस्याम ऋषि देवतात्मा हिमालयोनाम नगाधिराजः.." सम्बोधित कर की तो उसी हिमालय को अपने काव्य में चन्द्रकुँवर बर्त्वाल ने यह कहकर –

"शोभित चन्द्र कला मस्तक पर/
भस्म विभूषित नग्न कलेवर/
कटि पर कृष्ण गजानिन सा घन/
गिरती घोर घोष कर पद पर/
बज्र छटा सी दीप्त सुधनी/
मूर्ति मान आत्मा की जागृति/
ज्योति लिखित ओंकार स्वरित
ध्वनि/
आदि पुरूष हे! हे पुराण मुनि।।

कालीदास की ही तरह उन्होंने हिमालय और हिमालयी क्षेत्र सहित वहाँ के सामान्य जीवन के बहुत ही जीवंत चित्र कविताओं में प्रतिबिम्बित किये हैं

इस एक सुन्दर छंद में कवि ने धूमिल मेघ और हिमालय से निकलने वाली हिमानी को जिस ढंग से चित्रित किया है वह उन्हें उपमा का कवि करार देता है –

अब छाया में गुंजन होगा/
वन में फूल खिलेंगे/
दिशा–दिशा से अब सौरभ के/
धूमिल मेघ उठेंगे।।

सूरदास जी को वात्सल्य रस का सम्राट कहा गया है। बच्चों के भावों का जितना सूक्ष्म अवलोकन उन्होंने किया है उतना अन्यत्र दुर्लभ है। किन्तु हिमालयी क्षेत्रों के पर्वतीय ढलानों पर बिजली कड़कने के डर से ढलानों पर दौड़ते बच्चों का जितना सुन्दर चित्रण चन्द्रकुँवर जी ने किया है वह अभूतपूर्व है। मित्र को याद दिलाते हुए कवि ने लिखा है –

याद हैं तुम्हें न मित्र,उस दिन के
बादल/
लेटे थे गिरि ऊपर हम कोमल दूब
पर/
फिरते थे इधर – उधर शैलों पर
नीर–धर/
करते कुछ परामर्श, आपस में सूर्य
को।।

हिमप्रात कविता में चन्द्रकुँवर जी हिमालयी क्षेत्र के चीड़ के जंगलों, पशु पक्षियों का वर्णन करते हुए लिखते हैं कि –

पृथ्वी जगी, हुआ
चीड़ों में गुंजित मर्मर/
डोली पवन, कंपे
छाया के अंग मनोहर/

हिमालय से निकलने वाली नदी पर जितना चन्द्रकुँवर रीझे हैं उतना कोई दूसरा कवि न रीझा। पर्वतीय प्रदेश से लेकर, गंगोत्री से इलाहाबाद तक उन्होंने गंगा को देखा था जितना सुन्दर वर्णन चन्द्रकुँवर ने किया है उतना किसी दूसरे ने नहीं किया – उन्होन लिखा कि–

गिरिवन से छूटी एक नदी/
घाटी में गाती घूम रही/
आँखों में रवि का बिंब नचा/
अधरों में धर–धर चूम रही।।

हिमालयी क्षेत्र में पाये जाने वाले पक्षी काफल पाक्कू से भी हिन्दी साहित्य का परिचय उन्होंने पहली बार कराया है। बाद में इसी पक्षी को जानने की जिज्ञासा में उनकी मृत्यु के बाद तत्कालीन हिन्दी जगत के मूर्धन्य कवियों और साहित्य प्रेमियों ने उनकी कविताओं की खोज करते हुए उनके बारे में जानने की जिज्ञासा के चलते उनके कार्यों के मूल्याँकन की एक हल्की पहल हुई। इसी काफल पाक्कू कविता में कवि ने वर्णन किया है –

हे मेरे प्रदेश के वासी/
छा जाती वसंत जाने से जब सर्वत्र
उदासी/
झरते झर–झर कुसुम तभी, धरती
बनती निधुवा सी।।

हिमालय पर अपनी छोटी छोटी कविताओं में चन्द्रकुँवर ने हिमालय को उच्च स्थान देते हुए लिखा है —

तुम से पावन और उच्च कुछ भी
पृथ्वी के/
पास नहीं था, इसीलिए पूजन करने
की/
तुम्हें उठा हाथों में कमलों की माला
सी।।

हिमालय उनकी रग–रग में इस कदर समाया है कि उन्होंने यहाँ पुनर्जन्म लेने की इच्छा भी इन शब्दों में वयां की –

मुझे जगाना पुष्प बनाकर इस, सुख पूर्ण भुवन में/
मुझे उड़ाना भ्रमर बनाकर, फिर इस मृदुमंद पवन में।।

अपने हैदयिक और चाक्षुष बिम्ब से उन्होंने हिमशिखरों से लेकर सागर तट बहती गंगा का जो बिम्ब खींचा है उसे हिमवंत कवि चन्द्रकुँवर बर्त्वाल सरीखा कोई दूसरा अब तक कागजों पर न उतार पाया–

उत्पन्न स्वर्ग के हिम से हो/
शैलों में काट स्व बचपन को/
यौवन पर पृथ्वी में बहकर/
अन्त में डूब जाती सत्वर।।

चन्द्रकुँवर ने हिमालय को प्रातः, संध्या, चांदनी, वर्षा में विभिन्न छवियों में चित्रित किया ही साथ ही उसे कई सन्दर्भों में जीवंत स्वरूप भी प्रदान किया। कभी वे उसे 'स्वच्छ केश ऋषी, राशि तरूण तपस्वी' के रूप में देखते हैं 'बिखरा जटा वह तापस' तो कहीं जाग्रत आत्मा की विराट शक्ति के रूप में। सौन्दर्य ऐसा भी हो सकता है उसकी एक वानगी देखिए–

तांडव नृत्य कला सी नाच रही इन
शिखरों पर/
पवन उड़ रहा निज बर्फानी गुहा
नीड़ से/
तीव्र बाज सा पंजों से विदीर्ण
करता वन/
झपट रहा नागिनी सी मुड़ी नदियों
पर....

कवि का कहीं हिमालय के साथ श्रद्धा, प्रेम और आत्मियता का मधुर भाव जुड़ा है –

"माधुरी मेरे हिमगिरि की", "नीला देवदारू का वन है" और मुझे इसी में है सन्तोष–"हिमगिरि में एक छोटा सा घर हो /धूप सेकने को दिनभर को/ जिस पर बहती रहे हवा निर्दोष" आदि उनकी मधुर भाव युक्त हिमालय सम्बन्धी सुन्दर कविताएं हैं।

देववाणी संस्कृत हो या फिर भारतवंशियों की हिन्दी भाषा–इनमें रचित काव्यों में हिमालय का जितना वर्णन हुआ है उनमें संस्कृत में कालीदास को छोड़कर और हिन्दी में थोड़ा सा निराला को छोड़कर हिमालय को जीने की जो साकार अनुभूति बर्त्वाल जी के काव्य में है, उसकी अनुभूति अन्यत्र बहुत कम ही देखने को मिलती है । बर्त्वाल जी ने न केवल बाल्य उम्र से ही हिमालय के सौंदर्य को निहारा है बल्कि शिवालिक हिमालय में जन्म लेकर इसके विहंगम स्थलों नागनाथ पोखरी, मैकोटी में बाल्यावस्था बिताने के बाद इसे संयोग कहें या विधि का विधान कि आगे की पढ़ाई के लिए चन्द्रकुँवर को पौड़ी जाना पड़ा। पाठक जानते होंगे कि पौड़ी के किसी भी क्षेत्र से सुबह सवेरे उठते ही विराट, विहंगम और वृहत हिमालय के दर्शन होते हैं।

नागनाथ में रहते हुए प्रकृति और परिवेश का जो वातावरण कवि को मिला था, कमोवेश वही वातावरण पौड़ी का भी था, अतः कोमल मन में हिमालय की अनुभूति के बीजों का अंकुरण होने के लिए अनुकूल परिवेश यहाँ उपलब्ध हो गया। विधि का विधान देखिए कि स्वानुकूल विचारों का मित्र शम्भु प्रसाद बहुगुणा भी एक वरदान की भाँति यहाँ मिल गया। समय के गर्भ में अंकित इस मित्रता का इतिहास साक्षी है कि शम्भु प्रसाद बहुगुणा ने जितनी मित्रता कवि के जीवित जीवन में निभाई उससे कहीं अधिक कवि के मृत्यु के पश्चात दोस्ती को पावन पवित्र अमरता प्रदान कर दी। जैसे राम के साथ हनुमान का नाम जुड़ गया वैसे ही चन्द्रकुँवर के साथ शम्भु प्रसाद का नाम भी स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया।

इस जोड़ी के दोस्ती के जो दस्तावेज अब तक प्रकाश में आये हैं, वह ये बताने के लिए काफी हैं कि केवल शादी की जोड़ियां ही स्वर्ग में नहीं बनती, बल्कि विधाता दोस्ती की कुछ जोड़ियों को तो निश्चित ही स्वर्ग में बनाता है। चन्द्रकुँवर, चन्द्रकुँवर बर्त्वाल न होते यदि उन्हें शम्भु प्रसाद बहुगुणा जैसा मित्र न मिला होता। यह भी ध्रुव सत्य है कि अभी

चन्द्रकुँवर का स्थान न केवल हिन्दी साहित्य में मूल्यांकित होना शेष है बल्कि दुनिया भर के, किसी भी भाषा के साहित्य से उनकी तुलना का भार अधिक साबित होना शेष है। क्योंकि इतनी कम उम्र में इतनी विशद ऊँचाई तक पहुंचने वाला कवि समकालीन समय तक कोई दूसरा तो अखिल विश्व में अभी नहीं है। संभवतः जीवन की तुलना में उन्हें उत्तराखंड का शंकराचार्य कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह बात कहने का आशय केवल यह है कि जैसे आदि गुरू शंकराचार्य ने 13 वर्ष की आयु तक ही 16भाष्य लिखकर अल्पायु में ही यह नश्वर संसार छोड़ दिया था, वैसे ही उत्तराखंड के इस चन्द्रकुँवर रूपी शंकराचार्य ने 750 से अधिक कालजयी कविताओं की सौगात साहित्य को सौंपकर यह नश्वर संसार छोड़ दिया।

अगर हम चन्द्रकुँवर बर्त्वाल द्वारा रचित पूरे साहित्य का अवलोकन करें तो यह बात भली भांति समझ में आती है कि प्रकृति के चितेरे इस हिमवंत कवि ने वही लिखा जो अपने अल्पतम जीवन में देखा /भोगा उसी सच्चाई को यथार्थता के साथ अपनी लेखनी के माध्यम से अपने साहित्य का अवलम्बन बनाया। चीड़ के जंगलों की नीरव शान्त वादियों ने उनके कवि मन को वह परिवेश उपलब्ध कराया जिसमें नन्दिनी, गीत माधवी,पयस्वनी, प्रणयिनी, विराट हृदय,हिम ज्योत्सना, विराट ज्योति, नाट्य नंदिनी, मानस मन्दाकिनी, उदय के द्वारों पर, काफल पाक्कू, साकेत परीक्षण, कंकण पत्थर, जैसी अमर पद्यात्मक रचनाओं सहित लगभग 750 कवितायें, कुछ नाटक एवं कहानी संग्रह काल के कपाल पर अंकित हुई।अपनी उम्र के तेरहवें वर्ष में ही अपनी पहली कविता से हिन्दी साहित्य संसार में प्रवेश करने वाले इस कवि ने 28 वर्ष 24 दिन की उम्र तक ही जीवित रह कर साहित्य जगत को वो अनुपम निधि सौंप दी जिसके मूल्याँकन के लिए अभी कार्य होना बाकी है।

(लेखक उत्तराखंड के वरिष्ठ शिक्षक और साहित्यकार हैं ।शैलेश मटियानी, सारााभाई टीचर साइन्टिस्ट नेशनल अवार्ड के साथ साहित्य साहित्य सारस्वत सम्मान एवं नेशनल एचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित हैं।)

सम्प्रति — प्रधानाध्यापक
रा०उ०प्रा०वि० डाँगी गुनाऊँ
अगस्त्यमुनि रूद्रप्रयाग
उत्तराखंड

वरुण तेज की पैन–इंडिया फिल्म मटका का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

वरुण तेज की बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया फिल्म मटका का फर्स्ट लुक पोस्टर अब रिलीज हो चुका है. इस फिल्म का निर्देशन करुणा कुमार ने किया है और इसमें वरुण तेज के साथ नोरा फतेही और मीनाक्षी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी. मटका का पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है, और दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है. फिल्म का निर्माण डॉ. विजेंदर रेड्डी टीगला और रजनी तलुरी द्वारा किया गया है, और इसे पूरे भारत में एक बड़ी रिलीज के लिए तैयार किया जा रहा है.फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में वरुण तेज का दमदार

अंदाज और फिल्म की भव्यता झलक रही है, जो इस बात का संकेत है कि मटका एक बड़े पैमाने पर बनाई गई फिल्म होगी. पोस्टर ने दर्शकों की उम्मीदों को और भी बढ़ा दिया है, और अब सभी को बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार है.

इसमें वरुण तेज को दो अवतारों में दिखाया गया है। एक अवतार में वरुण तेज युवा नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरे अवतार में वरुण तेज अधेड़ उम्र के व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में नायक के 24 साल के सफर को दिखाया जाएगा और वह चार अलग–अलग गेट–अप में नजर आएगा। फर्स्ट लुक पोस्टर में किरदार के दो रूप दिखाए गए हैं, एक दलित से एक अधिपति तक।

वरुण तेज के पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि केजीएफ कट आउट पेटुकोनी ईवेम फिल्में अन्ना कृपया बड़े पैमाने पर फिल्मों का चयन करें। दूसरे यूजर ने लिखा कि नागा बाबू गारू को अपने नए प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के दलीप ट्रॉफी में नहीं खेलने पर भड़क गए सुनील गावस्कर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली की गैरमौजूदगी पर चिंता जाहिर की है।

गावस्कर का मानना है कि रोहित–विराट को घरेलू मैचों के लिए चुना जाना चाहिए था ताकि उन्हें मैच का समय मिलता और वह अपनी फिटनेस का ध्यान रख पाते।

'लिटिल मास्टर' ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी 30 की उम्र को पार कर लेता है तो मांसपेशियों को कमजोर होने से बचाने के लिए अपने स्तर को ऊंचा रखना पड़ता है। हालांकि, जसप्रीत बुमराह को आराम देने के बीसीसीआई के फैसले की गावस्कर ने सराहना की।

ध्रुव जुरेल ने बताया विराट कोहली का सबसे खास गुण, रोहित शर्मा पर दिया हैरान करने वाला बयान

नई दिल्ली। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की है। जुरेल ने विराट कोहली के सबसे खास गुण के बारे में बात की। वहीं, रोहित शर्मा को शांत रहने वाला कप्तान बताया।

जुरेल ने हाल ही में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए टी20क में डेब्यू किया था, लेकिन दो मैचों की एकमात्र पारी में केवल छह रन ही बना सके थे। हालांकि, इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था।

'वह सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं'

स्पोर्ट्सटैक से बात करते हुए जुरेल ने कोहली के लिए कहा, मैं हमेशा सीखने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह क्रिकेट के दिग्गज हैं। हमेशा नई चीजें सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं। जब भी मैंने उनसे बात की, मैंने केवल क्रिकेट के बारे में बात की और जब आप उनके आस–पास होते हैं तो आपको ऐसा लगता है कि एक ऊर्जा काम कर रही है, जो उनका सबसे बड़ा गुण है।

'वह बहुत शांत हैं'

रोहित शर्मा के लिए कहा, ईमानदारी से कहूं तो वह (रोहित) बहुत शांत हैं। वह आपसे बात करेगा, वह ऐसा नहीं है कि आप सीनियर या जूनियर हैं। वह हमेशा बहुत सहजता से बात करता है। अगर आपको किसी मदद की जरूरत है तो बस आ जाइए। मुझे कोई परेशानी नहीं है वह सामान्य है।

समुंद्र किनारे भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने कराया हॉट फोटोशूट, फोटोज से नहीं हटा पाएंगे नजरें

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका अब तक सबसे क्लासी लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान फ्लोरल वनपीस आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढक़र एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा समुंद्र के किनारे मदमस्त अंदाज में कातिल अदाओं से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है हॉट एंड ग्लैमरस। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है– बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा– टू मच हॉट।

सनी देओल के साथ बॉर्डर 2 में नजर आएंगे वरुण धवन, पर्दे पर कब आएगी फिल्म?

जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म बॉर्डर बॉलीवुड की यादगार फिल्मों में से एक है।महज 10 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 65.57 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इस फिल्म में सनी देओल और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। 27 साल बाद हाल ही में निर्माताओं ने बॉर्डर के सीक्वल का ऐलान किया है।अब वरुण धवन इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बॉर्डर 2 में वरुण भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने उनसे मुख्य भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बर्बादी की राह पर, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले दिग्गज ने दे दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के देश छोड़ने के बाद से वहां की हालत खराब हो गई है। अचानक हुए तख्तापलट का असर अब बांग्लादेश क्रिकेट पर भी दिखने लगा है। आगामी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी पर भी खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में बांग्लादेश क्रिकेट में इस्तीफों का दौर जारी हो गया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने तत्काल प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जलाल ने हवाला दिया कि उन्होंने क्रिकेट के हित में बोर्ड से इस्तीफा

दिया है। इसके चलते बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

जलाल ने दिया इस्तीफा

क्रिकबज से पुष्टि करते हुए जलाल ने कहा कि उन्होंने क्रिकेट के हित में बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वह मौजूदा बोर्ड से इस्तीफा देने वाले पहले निदेशक हैं, जो 5 अगस्त को छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार बदलने के बाद से जांच के दायरे में हैं। भविष्य में बोर्ड में बदलाव आने की उम्मीद है।

नजमुल हसन भी दे चुके हैं इस्तीफा

बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने भी क्रिकेट के हित में अपने पद से इस्तीफा देने और सरकार के साथ सहयोग करने की इच्छा जताई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में नियुक्त अभी तक के सभी सदस्य शेख हसीना के करीब रहे हैं।

एक नजर

ग्रामीणों को दी बैंक से मिलने वाली योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्रामीण बैंक की ओर से ग्रामीणों को बैंक से मिलने वाली सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कहा कि इन योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण बेहतर स्वरोजगार भी अपना सकते हैं। बैठक में ग्रामीणों को योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

प्रखंड पोखड़ा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिनानी में किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक हिमांशु रावत ने कहा कि स्थानीय कृषक कृषि, बागवानी, उद्यानीकरण करने के लिए बैंक से ऋण ले सकते हैं। कहा कि जिन लोगों को राज्य व केंद्र सरकार की तरफ से पेंशन मिल रही है, वे लोग बैंक के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान ममता देवी, क्षेत्रपंचायत सदस्य पंकज सिंह, महावीर सिंह, मान सिंह, सुनील पोखरियाल, मुकेश नेगी, शशि प्रसाद मौजूद रहे।

कश्यप बनें सिद्धबली ऑटो एसोसिएशन के प्रधान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सिद्धबली ऑटो एसोसिएशन की ओर से शिव कुमार कश्यप को ऐसासिएशन का प्रधान नियुक्त किया गया। इस दौरान नवनियुक्त प्रधान ने ऑटो चालकों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। एसोसिएशन के सचिव स्वयंबर प्रसाद ने बताया कि रूट नं. दो के पूर्व प्रधान के त्यागपत्र दिए जाने के बाद शिव कुमार कश्यप को एसोसिएशन का निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

महावीर चक्र विजेता जसवंत सिंह को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जसवंतगढ़ जिला संघर्ष समिति की ओर से महावीर चक्र विजेता जसवंत सिंह के योगदान को याद किया गया। इस दौरान सदस्यों ने वीर सपूत के नाम पर पृथक पर्वतीय जिला बनाने की मांग भी उठाई।

प्रखंड नैनीडांडा के अंतर्गत धुमाकोट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सदस्यों ने महावीर चक्र विजेता जसवंत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि देश की रक्षा के लिए दिए गए जसवंत सिंह के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि समिति लंबे समय से वीर सपूत के नाम से पृथक पर्वतीय जिले की मांग के लिए संघर्ष कर रही है। इस मौके पर राज्य निर्माण आदोलनकारी देवेंद्र भारती को जसवंत गढ़ जिला संघर्ष समिति का उपाध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर महेंद्र सिंह कंडारी, उपदेश बिष्ट, आरपी ध्यानी, राजदर्शन सिंह रावत, योगेश्वर प्रसाद ध्यानी, धर्मपाल सिंह, मुकुंद सिंह, मोहन सिंह मौजूद रहे।

न्यू कमलेश्वर मौहल्ला मार्ग की मरम्मत कराने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर के अन्तर्गत शहर की सड़कों की हालत खस्ताहाल बनी हुई हैं। नगर क्षेत्र के तहत सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के पास न्यू कमलेश्वर मौहल्ला को जाने वाली सड़क पर जगह-जगह गड्ढे व जीर्ण शीर्ण अवस्था में होने के कारण क्षतिग्रस्त सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कई बार दुपहिया वाहन रपट जाने से दुर्घटना होते-होते बच जाती है। इसके बावजूद नगर निगम सड़क पर मरम्मत कार्य करने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के पास न्यू कमलेश्वर मौहल्ला को जाने वाली सड़क तो पूरी तरह से गड्ढे जीर्णशीर्ण के साथ जगह-जगह पर क्षतिग्रस्त हैं। बारिश के मौसम में सड़क पर हुए गड्ढों में बरसाती पानी भरने से आम राहगीरों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी राशिसं के पूर्व मण्डलीय मंत्री शिव सिंह नेगी, जसपाल सिंह चौहान, गम्भीर सिंह रौतेला, बीरेंद्र सिंह राणा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन को अविलंब जीर्ण-शीर्ण हुई सड़क पर मरम्मत कार्य करना चाहिए, ताकि स्थानीय राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

श्रीनगर मनाया रक्षाबंधन पर्व

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा मंडल श्रीनगर एवं लक्ष्य फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भाजपा मंडल कार्यालय में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवाण, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष दिनेश पटवाल समेत अन्य कार्यकर्ताओं की कलाई पर रक्षा का सूत्र बांधा।

बहना ने भाई की कलाई पर बांधा प्रेम का सूत्र

कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

कोटद्वार में भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सोमवार को कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधते हुए उनकी लंबी आयु की कामना की। साथ ही भाईयों ने भी बहनों को गिफ्ट देते हुए जीवन भर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर भाई-बहनों में काफी उत्साह बना हुआ था। बहनों ने भाई की आरती उतारी और ईश्वर से उनकी दीर्घायु के लिए कामना की। भाईयों ने भी बहनों को उपहार दिए। हर घर में भाई की कलाई पर बहना का प्यार दमक रहा था। कहीं रेशम की डोर से रिश्ता मजबूत हो रहा था तो कहीं चांदी, मोती की सुनहरी राखियों के साथ जीवन भर रक्षा करने का बचन दिया गया। वहीं, बाजार में भी रक्षाबंधन का उत्साह देखने को मिला। मिठाईयों की दुकानों में घेवर सहित अन्य मिष्ठान खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। वहीं, बहनों को गिफ्ट देने के लिए भी कपड़े व गिफ्ट की दुकानों में भीड़ देखने को मिली। बाजार में उमड़ी भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था भी बेपटरी नजर आ रही थी। हालांकि शहर के हर चौराहे में खड़ी पुलिस लगातार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटी हुई थी।

पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधकर लिया सुरक्षा का संकल्प

चमोली : रक्षाबंधन के त्योहार को चमोली जिले में उल्लास, उमंग और श्रद्धापूर्वक मनाया गया। सोमवार को सम्पन्न रक्षाबंधन पर्व पर बहिनों ने भाइयों के हाथ में राखी बांधी। रक्षाबंधन के अवसर पर मंदिरों में भी बड़ी भीड़ जुटी। गोपेश्वर में गोपीनाथ मंदिर में रक्षाबंधन की शुरुआत भगवान गोपीनाथ के दर्शन पूजन और उन्हें राखी अर्पित करने से हुई। उदगम घाटी में स्थित प्रसिद्ध बंशीनारायण मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंच कर भगवान श्रीहरि नारायण बंशीनारायण की पूजा अर्चना कर राखी अर्पित की गोपेश्वर को हरा भरा बनाने में लगे संकल्प अभियान कार्यकर्ताओं ने पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। संकल्प अभियान के संयोजक मनोज तिवारी ने बताया 2014 पौधों पर रक्षा सूत्र बांध कर उनकी सुरक्षा का संकल्प का अभियान जन सहयोग से जारी है।

वीरांगनाओं ने डीएम को बांधा रक्षासूत्र

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी गढ़वाल डा. आशीष चौहान ने सोमवार को पौड़ी के भिताई गांव पहुंचकर शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं के साथ रक्षाबंधन मनाया। भिताई गांव के पंचायत भवन में जिला सैनिक कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्र की सात वीरांगनाओ ने डीएम को रक्षासूत्र बांधकर उनके लिए स्वास्थ्य जीवन की कामना की। डीएम ने वीरांगना बहनों को शगुन स्वरूप उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन पर आयोजित कार्यक्रम में वीरांगनाओं ने शहीदों के सम्मान को लेकर कहा कि देश की सरहदों की सुरक्षा में अपना सर्वत्र न्योछावर करने वाले गढ़वाल क्षेत्र के वीर शहीदों के सम्मान में इंडिया गेट जैसी संरचना का निर्माण समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में गढ़वाल का योगदान व शहादत के किस्सों से इतिहास के पन्ने भरे पड़े हैं। कहा कि ऐसा स्मारक ही एक भाई की तरफ से वीरांगनाओं को शगुन व आशीर्वाद होगा। डीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा में उत्तर-खण्ड का योगदान ऐतिहासिक है। विशेषकर गढ़वाल क्षेत्र में युवाओं का देश सेवा में बढ़चढ़कर योगदान करना देशप्रेम का उत्तम उदाहरण है। कहा कि देश की सुरक्षा के दौरान शहीद होने वाले गढ़वाल क्षेत्र के वीर पुरुषों के सम्मान में इण्डिया गेट की तर्ज पर एक विशाल व भव्य शहीद स्मारक को प्रस्तावित करना सम्मान व सौभाग्य की बात होगी। कहा कि शहीदों के सम्मान में इंडिया गेट जैसी संरचना के निर्माण के लिए इससे जुड़े सभी पहलुओं पर विचारोपरांत प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर करन रावत, ग्राम प्रधान भिताई मल्ली ऊषा देवी, राजस्व उपनिरीक्षक कुलदीप रावत, मनोज पटवाल, वीरांगना पार्वती देवी, सुशीला देवी, कांती, लक्ष्मी, विमला, शीरा देवी, भगना देवी आदि शामिल रहे।

आर्य को मिलेगा जयानंद भारती स्मृति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : समाज सेवा व शिक्षा के क्षेत्र में अपना प्रमुख योगदान देने के लिए शैलशिल्पी विकास संगठन रघुनाथ लाल आर्य को जयानंद भारतीय स्मृति सम्मान से सम्मानित करेगा। सम्मान समारोह छः दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

सोमवार को संगठन की बैठक आयोजित की गई। जिसमें शिक्षाविद् रघुनाथ लाल आर्य को कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति सम्मान से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने बताया कि रघुनाथ लाल आर्य लगातार शिक्षा व समाजिक क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। गरीब व असहाय परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सकें इसके लिए वह प्रयासरत हैं। साधारण व मिलनसार बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी रघुनाथ लाल आर्य जमीन से जुड़ कर मानवता के लिए समर्पित भाव से अनवरत कार्य कर रहे हैं।

मानवतावादी कार्यों से प्रभावित होकर शैल शिल्पी विकास संगठन उन्हें छः दिसंबर को कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति सम्मान से सम्मानित करेगी। इस मौके पर डा. सुरेंद्र लाल आर्य, धीरजधर बछुवाण, मनवर लाल भारती, केसीराम निराला, अनूप कुमार पाठक, प्रमोद चौधरी, सोमपाल, डा. सुरेंद्र चौधरी, विनीता भारती मौजूद रहे।

ग्राम सभा में स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कांग्रेस के प्रदेश सचिव दीपक असवाल ने कफोलस्यूं और असवालस्यूं पट्टी के हर ग्राम सभा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किए जाने की मांग उठाई है।

उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को ज्ञापन भेजकर जल्द ही स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने की मांग उठाई है। सीएमओ को भेजे गए ज्ञापन में दीपक असवाल ने कहा कि इन दिनों बरसाती सीजन में कफोलस्यूं व असवालस्यूं के कई गांवों में जुकाम, बुखार के मामले सामने आ रहे हैं। कहा कि कई ग्रामीण जिला अस्पताल आने में असमर्थ है। उन्होंने कफोलस्यूं और असवालस्यूं की हर ग्रामसभा अैर स्कूल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की मांग उठाई है।

जीर्ण-क्षीण भवन में रहने को मजबूर वृद्धा

सरकारी योजनाओं का नहीं मिला अब तक लाभ

जगमोहन डांगी

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड कल्जीखाल की पूर्वी मनियास्यूं पट्टी के ग्राम गूंड निवासी एक 80 वर्षीय वृद्धा जीर्ण क्षीण मकान में रहने को मजबूर है। वृद्धा को अभी तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है। जबकि सरकार दावा कर रही है कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

ग्राम गूंड निवासी 80 वर्षीय कुमाली देवी निरक्षर है। उनके पति का दस वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो गया है तथा उसकी कोई संतान नहीं है। डिजीटल के इस दौरान में अभी तक कुमाली देवी का आधार कार्ड नहीं बन पाया है, जिस कारण उनका राशन कार्ड नहीं बन पाया।

राशन कार्ड और आधार कार्ड के कारण उनको सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने बताया कि वृद्धा कुमाली देवी को वृद्ध आश्रम में रखने का अनुरोध किया गया, लेकिन वह कहीं भी जाने को तैयार नहीं है। बताया कि लगातार हो रही अतिवृष्टि में वृद्धा का जीर्ण क्षीण मकान में रहना किसी खतरे से खाली नहीं है। ज्ञात हो कि कुस्याण गांव में बीते शुक्रवार को अतिवृष्टि से एक घर की दीवार गिर जाने से मलवे में दबकर महिला की मृत्यु हो गयी थी। जिला प्रशासन को संवेदनशील होना पड़ेगा और वृद्धा का सुरक्षित स्थान पर विस्थापन करना होगा, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। ग्राम पंचायत प्रधान गौरण श्रीमती मुन्नी देवी ने बताया कि उन्होंने वृद्धा को आधार कार्ड बनाने के लिए नजदीक सीएससी सेंटर में ले जाने का बहुत अनुरोध किया, लेकिन वृद्धा अपने आंगन से बाहर कहीं जाने को तैयार नहीं है, जिस कारण वृद्धा को सरकारी आवास, राशन आदि सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने में ग्राम पंचायत असमर्थ है।

संस्कृति विद्यालय के विद्यार्थियों का किया यज्ञोपवीत संस्कार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रक्षाबंधन के पावन पर्व पर श्री ज्वालपाधाम संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों ने यज्ञोपवीत संस्कार किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को गुरु मंत्र भी दिया गया। ज्वालपादेवी मंदिर समिति की ओर से यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रों के साथ विद्यार्थियों को यज्ञोपवीत धारण करवाया गया। विद्यार्थियों का उपनयन संस्कार आचार्य भाष्करानंद ममगांई द्वारा किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अपने धर्म की रक्षा के लिए आगे आने की भी सीख दी। कहा कि जब तक धरती पर धर्म है तब तक धरती सुरक्षित है। इस मौके पर समिति के कोषाध्यक्ष मोहन चंद्र मैंदोला, प्रधानाचार्य दिनेश लाल, रामदयाल डंडरियाल, कांता थपलियाल, नवीन सकलानी, सुलोचना ध्यानी, राजमती बड़ोला, आरती डोबरियाल, संगीता इष्टवाल, संतोषी पांथरी, हर्षपति पांथरी, संगीता जुयाल, कांती देवी आदि मौजूद रहे।

प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत ज्वाल्पाधाम परिसर में विद्यार्थियों का यज्ञोपवीत करते आचार्य

छात्रों के भविष्य निर्माण हेतु अभिभावक करें सहयोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कोट ब्लॉक के मां भुवनेश्वरी मंदिर संस्कृत विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सोमवार को रक्षाबंधन व संस्कृत दिवस के अवसर पर बच्चों का यज्ञोपवीत सम्पन्न हुआ। इस दौरान 38 छात्रों ने इस वर्ष गुरूदीक्षा ली।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आचार्य नवीन ने छात्रों के भविष्य निर्माण हेतु अभिभावकों से सहयोग करने की अपील की। कहा कि वैदिक सनातन धर्म में पूर्व से ही संस्कारों का अद्वितीय महत्व रहा है। प्रधानाचार्य अनसुया प्रसाद ने कहा कि संस्कार हमारी पहचान है इसके बाद अब ये छात्र वेदाध्ययन कर सकेगें। वरिष्ठ अध्यापक नवीन जुयाल ने बताया कि इन बच्चों के निर्माण हेतु हम बहुत परिश्रम करते, जिसका परिणाम बोर्ड परीक्षा में देखा गया। वहीं प्रबंधक राजेन्द्र जुयाल ने पूरी टीम व छात्रों की सराहना की। पूजन आचार्य अनूप द्वारा सम्पन्न कराया गया। आचार्य नवीन, आशीष, कमलदीप ने गुरूदीक्षा दी। इस अवसर सभी छात्रों के अभिभावक उपस्थित रहे।

कठूड के ग्रामीण बाहरी लोगों को नहीं बेचेंगे जमीन

नई टिहरी : चंबा ब्लॉक के धार अकरिया पट्टी के कठूड के ग्रामीणों ने बैठक कर बाहर के लोगों को अपनी जमीन न बेचने का निर्णय लिया। कहा कि कुछ बिचौलियों के माध्यम से बाहरी लोग गांव में आकर ग्रामीणों की जमीनों को औने पौने दामों में खरीद रहे हैं।

जिसका अब ग्रामीण कड़ा विरोध कर अपनी जमीन नहीं बेचेंगे। ग्राम प्रधान विमला देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने गांव के विकास, सामाजिक गतिविधियों से लेकर जल, जंगल, जमीन के संरक्षण को लेकर चर्चा की। कहा कि कुछ समय से बाहरी लोग बिचौलियों के माध्यम से अपनी पहचान छिपा कर गरीब ग्रामीणों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनकी जमीन को खरीद रहे हैं। जिसके बाद उस जमीन विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों कर रहे हैं।

जिनमें दूसरे समुदाय के लोग भी है। जिनकी ग्रामीणों के रीति रिवाज, धर्म, संस्कृति से मेल भी नहीं खाती है। ऐसे में भविष्य में विवाद की स्थिति भी पैदा हो सकती है। कहा कि अपनी भूमि अपनी पहचान। अपनी जमीन को अब किसी भी बाहरी व्यक्ति को नहीं बेचेंगे। इस मौके पर आनंद सिंह, जबर सिंह, बीर सिंह असवाल, सोहन सिंह, बगवाल्या असवाल, भगत सिंह, राजपाल सिंह, गीता देवी, पूनम देवी, लक्ष्मी देवी, कमला देवी, सुलोचना, सरस्वती आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

रैली निकालकर बहनों की रक्षा का लिया संकल्प

नई टिहरी : रक्षा बंधन के पर्व पर जवाहर नवोदय विद्यालय पौखाल के छात्र-छात्राओं ने देश में महिलाओ पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रैली निकालकर बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। विद्यालय के 11वीं तथा 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय से पौखाल कस्बे तक हाथ में तख्तियों एवं बैनर के साथ नारेबाजी कर आक्रोश जताया। जिसमें उन्होंने कलकत्ता के मेडिकल कालेज में महिला डाक्टर के साथ रेप के बाद हत्या करने, ऊधमसिंह नगर एवम देहरदून के आईएसबीटी में किशोरी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार पर रोष जताया। छात्रों ने तख्तियों पर स्लोगन लिखकर देश की बेटियों के साथ हो रहे अत्याचार पर सरकार से शख्त कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर उन्होंने दो मिनट का में रखकर पीड़ताओं एवं मृतका को श्रद्धांजलि दी।

शिवपुर में लगातार बढ़ रही गुलदार की धमक, दहशत में लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शिवपुर क्षेत्र में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। रविवार रात गुलदार ने घर के बाहर एक कमरे में बैठे पालतू कुत्ते को अपना निवाला बना दिया। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वहीं, क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गुलदार की धमक से वार्डवासियों में दहशत बनी हुई है। शाम ढलते ही वार्डवासियों का घरों से बाहर निकालना भी मुश्किल हो गया है।

शिवपुर क्षेत्र का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। ऐसे में आए दिन आबादी में जंगली जानवर पहुंच जाते हैं। पिछले कई माह से क्षेत्र में गुलदार की धमक बनी हुई है।

रविवार रात गुलदार घर के बाहर एक कमरे में बैठे कुत्ते को मुंह में दबाकर भाग गया। घर में मौजूद सदस्यों को जब पता चला तो उन्होंने घर के बाहर निकलकर काफी शोर मचाया। लेकिन, गुलदार ने कुत्ते को छोड़ा नहीं। वार्डवासियों का कहना है कि आए दिन गुलदार पालतू जानवरों को अपना निवाला बना रहा है। ऐसे में घरों में रहने वाले बच्चों व बुजुर्गों को भी खतरा बना हुआ है। वार्डवासियों ने वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कहा कि यदि समय पर गुलदार को कैद नहीं किया गया तो कोई भी बड़ी घटना हो सकती है।

घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ गुलदार

भोंड गांव में कम नहीं हो रही गुलदार की दहशत

नई टिहरी : भिलंगना रेंज के हिंदाव पट्टी स्थित भोंड गांव में गुलदार की दहशत बनी हुई है। गुलदार के भय के कारण ग्रामीणों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को गांव के आसपास गुलदार कई बार दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की।

भोंड गांव में 22 जुलाई को दिन दहाड़े एक 11 वर्षीय बालिका को गुलदार उठाकर ले गया। जिसका क्षत विक्षत शव गांव के पास ही झाड़ियों से बरामद हुआ था। ग्रामीणों के आक्रोश के बाद वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित कर उसे मारने के लिए गांव में शूटर तैनात किया।

बहनों ने भाई की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र

विकासनगर। पछुवादून, जौनसार बावर में रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया। भाइयों ने अपनी बहनों के घर जाकर राखी बंधवाई। इस पर्व को लेकर खासकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया।

बच्चे सुबह से ही राखी बंधवाने के लिए उत्सुक थे। बहन ने भाई की कलाई पर राखी बांधी तथा मिठाई खिलाई। हालांकि इस बार भद्रा नक्षत्र के कारण दोपहर बाद राखी बांधने का सिलिसला शुरू हुआ।

थराली में ठेकेदारों का धरना समाप्त

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : विभिन्न मांगों को लेकर थराली में पिछले 13 दिन से धरने पर बैठे ठेकेदारों की मांगें मानने के आश्वासन के बाद ठेकेदार संघ ने अपना धरना समाप्त कर दिया है।

थराली सिंचाई खंड में नियमित अधिशासी अभियंता की नियुक्ति किए जाने एवं इस खंड में पिछले तीन वर्षों में किए गए अल्पकालिक निविदाओं, ई-टेंडरों और इस खंड में संचालित वाहन के तेल सहित अन्य गतिविधियों की जांच की मांग कोलेकर पिछले 12 दिनों से सिंचाई परिसर थराली में चल रहा ठेकेदारों का धरना सिंचाई विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार संघ के बीच हुई वार्ता के पश्चात नियत समय पर मांगों को मानने के आश्वासन के बाद सोमवार को ठेकेदार संघ ने अपना धरना समाप्त कर दिया है। वार्ता के दौरान संघ के अध्यक्ष पुष्कर सिंह फर्स्वाण सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता सुभाष चन्द्र और अधिशासी अभियंता मनोज कुमार सहित ठेकेदार संघ के जुड़े कई ठेकेदार और विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

छः साल बाद परिजनों को मिला युवक

नई टिहरी : टिहरी जिले के कैंपटी थाना पुलिस की सतर्कता से छः से लापता युवक परिजनों को मिल गया है। परिजनों से लापता चल रहे 25 वर्षीय युवक के मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए पुलिस का आभार जताया। युवक के माता ने कहा उन्होंने बेटे के मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन टिहरी पुलिस के ऑपरेशन स्माइल के कारण उनका बेटा उन्हें मिल पाया है। टिहरी पुलिस एसएसपी के निर्देश पर लापता लोगों को ढूंढने के लिए ऑपरेशन स्माइल चलाया हुआ है। जिसके तहत पुलिस टीमें बनाकर लापता लोगों को ढूंढकर परिजनों को सौंप रही है। एक युवक पुलिस को कैंपटी बाजार में घूमता हुआ मिला। पुलिस उप निरीक्षक राकेश डिमरी, मैराज आलम ने युवक से पूछताछ की। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अरविंद पुत्र स्व. वीरम ग्राम चौरावाला, थाना ककरौली जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश बताया। बताया कि छह साल पहले वह परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से लापता हो गया था। बताया कि कई रेस्टोरेंट में काम कर अपना गुजर बसर करता है। पुलिस ने युवक की ओर से बताए गए पते की पुलिस से संपर्क किया। यूपी पुलिस से युवक के परिजनों को सूचना दी। 18 अगस्त शाम को पुलिस की सूचना पर पहुंची युवक की माता जयमाला देवी, भाई मोनू आदि ने अरविंद की पहचान की। जिसके बाद पुलिस ने युवक को उन्हें सौंपा। युवक की माता ने कहा कि लंबे समय से वह अरविंद की तलाश कर रहे थे। लेकिन कोई सुराग नहीं लग पा रहा था। बावजूद अब टिहरी पुलिस के प्रयास से उन्हें बेटा मिल पाया है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए पुलिस का आभार जताया। (एजेंसी)

धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन पर्व

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सोमवार को रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर लंबी आयु की कामना मांगी। रक्षाबंधन पर्व पर बाजारों में भी रौनक रही। शहर में मिठाई और राखी की दुकानों में राखी लेने के लिए सुबह लोगों की भीड़ भी दिखाई दी। जिले के सतपुली, धुमाकोट, नैनीडांडा, एकेश्वर, चौबट्टाखाल के साथ ही राठ क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

एक नजर

महिला अपराध पर अंकुश लगाने में सरकार नाकाम

नई टिहरी : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश और प्रदेश में महिलाओं के साथ हो रही हिंसक, यौन उत्पीड़न की घटनाओं के विरोध में सोमवार को उपवास रखा। मौके पर भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार को बढ़ते महिला अपराधों पर भी घेरा। मौके पर आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष राकेश राणा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपवास रखा। कहा कि कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी की गई, इस घटना मानवता को शर्मसार कर दिया। साथ ही देहरादून के आईएसबीटी में एक बेटी के साथ गैंगरेप की घटना ने कानून व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। कहा कि इससे पूर्व भी हेमा नेगी, पिंकी के साथ घटित हुई से भी सरकार ने सबक नहीं लिया है। उन्होंने महिलाओं के साथ ही रही घटनाओं को रोकने लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। इस मौके पर प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट, महिला जिलाध्यक्ष आशा रावत, विजय गुनसोला, मुशर्रफ अली, अनीता शाह, देवेंद्र नौडियाल, साहब सिंह सजवाण,शक्ति प्रसाद जोशी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन

नई टिहरी : सोमवार को रक्षाबंधन के त्योहार की धूम रही। भाई-बहनों का यह त्योहार पूरे जनपद में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने पूजा-अर्चना के बाद भाइयों की कलाई में राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। सोमवार को दोपहर डेढ़ बजे के बाद रक्षाबंधन का शुभमुहूर्त शुरू होने के बाद बहनों के भाइयों को राखी बांधी। बहनों ने मिठाइयों और राखी से सजी थालियों के साथ भाइयों की आरती उतारक उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को मन पसंद उपहार के साथ दक्षिणा दी। पंडितों ने भी जजमानों को राखी बांधी। (एजेंसी)

स्कूलों में खुलेंगे पुस्तकालय : रमोला

नई टिहरी : प्रतापनगर के ब्लाक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने ब्लाक के इंटर कॉलेजों और माध्यमिक विद्यालयों में संसाधनों की कमी को देखते हुए पुस्तकालय खुलवाने का निर्णय लिया है। जिसके तहत ब्लाक के इंटर कालेजों और माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकालय खोलने को पुस्तकें, आलमारियां व रैक उपलब्ध कराने की बात कही है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में प्रतापनगर के ब्लाक प्रमुख रमोला ने कहा कि प्रतापनगर ब्लाक जनपद का दूरस्थ ब्लाक हैं। यहां के विद्यालय में विभिन्न तरह की प्रतिभाए हैं, लेकिन उन्हें संसाधनों का अभाव है। इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली ब्लाक की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ब्लाक के इंटर कालेजों में माध्यमिक विद्यालयों में ब्लाक राज्य वित्त व अन्य संसाधनों की मदद से पुस्तकालय खुलवाने का काम जल्द शुरू किया जाएगा। जिसके तहत विद्यालयों को पुस्तकें, आलमारियां व रैक उपलब्ध करवाये जाएंगे। ताकि यहां पर प्रतिभावान छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे संस्थाधनों के साथ कर सकें। (एजेंसी)

जीआईसी नंदासैंण में शिक्षकों की नियुक्ति की उठाई मांग

चमोली : अटल उत्कृष्ट जीआईसी नंदासैंण में अभिभावक अध्यापक संघ ने रिक्त पदों पर शिक्षकों की तैनाती करने की मांग उठाई है। संघ के अध्यक्ष अर्जुन भंडारी, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष बीरेंद्र रावत, प्रधान ताजवर भंडारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य हरेंद्र चौधरी, सुमन देवी, सरिता कुंवर, कुलदीप सिंह, आशा भंडारी, बीरेंद्र नेगी, चंपादेवी व दिनेश कुमार ने मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में कहा गया कि विद्यालय में गणित, भौतिक विज्ञान व भूगोल में प्रवक्ता और अंग्रेजी में सहायक अध्यापक के पद रिक्त हैं। जिससे विद्यालय का शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। विद्यालय में 15 से अधिक गांवों के 232 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और परीक्षाओं के भी कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। पद रिक्त होने से अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में असंतोष व्याप्त है। (एजेंसी)

बारिश से आवासीय मकान को खतरा

चमोली : ब्लॉक के डुंग्री ग्वाड गांव में बारिश से एक पुस्ता धंसने के कारण आम रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया। रास्ते से इंद्रा देवी के आवासीय मकान को भी खतरा बना है। उन्होंने कहा कि भूधंसाव की दरारें आवासीय मकान की सीढ़ियों तक आ गई है। वहीं इस धंसाव की मिट्टी आवासीय मकानों के पीछे गिर रही है। खेत भी धंस रहे हैं। इंद्र देवी ने कहा कि इस भूंधसाव की मरम्मत का काम जल्द से जल्द किया जाए।

सोंग नदी में फंसे दो लोगों को एसडीआरएफ ने बचाया

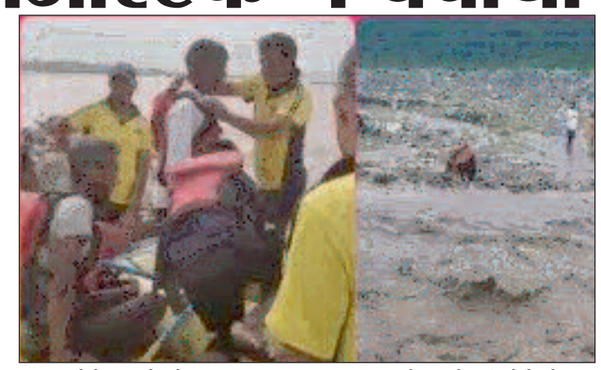

देहरादून। रायपुर में दो सौ बीघा कॉलोनी के पीछे सौंग नदी में सोमवार सुबह अचानक तेज हुए बहाव में दो मजदूर फंस गए। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसडीआरएफ ने रस्सों के सहारे तेजी से रेस्क्यू कर दोनों मजदूरों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला। रायपुर थानाध्यक्ष प्रदीप नेगी ने बताया कि विधायक उमेश शर्मा ने सोमवार सुबह सूचना दी। बताया कि दो सौ बीघा में ओएसिस स्कूल के पीछे सोंग नदी में अचानक अधिक पानी आने से दो मजदूर फंस गए हैं। सूचना पर वह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ को बुलाया। नदी में तेजी से पानी का बहाव बढ़ रहा था। एसडीआरएफ टीम दरोगा सुरेंद्र सिंह नेतृत्व में मौके पर पहुंची। तेजी से रस्सी डालकर दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। इनकी पहचान नीतीश कुमार उम्र बीस वर्ष निवासी भेरखीयां थाना इकरा जिला पूर्वी चंपारण और पिंकू यादव उम्र 23 वर्ष निवासी बरेठा थाना बनियापुर जिला सारंग बिहार के रूप में हुई। दोनों सोमवार सुबह नदी किनारे बाढ़ सुरक्षा कार्य में मजदूरी कर रहे थे। इस दौरान घूमने के लिए नदी में गए, तभी अचानक बहाव बढ़ गया था।

बैडमिंटन में इकोल ग्लोबल स्कूल ओवरऑल चैंपियन

देहरादून। सरदार प्रीतम सिंह मेमोरियल इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप में इकोल ग्लोबल गर्ल्स स्कूल ओवरऑल चैंपियन रहा। इकोल ग्लोबल स्कूल में रविवार को प्रतियोगिता खेली गई। दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रॉमिसिंग स्कूल अवार्ड्स में वेंटैज हॉल विजेता, शिगली हिल इंटरनेशनल अकादमी उपविजेता, यूनिवर्सल अकादमी द्वितीय उपविजेता रहे। इसी प्रकार ओवर ऑल चैंपियनशिप में यूनिसन वर्ल्ड स्कूल रनर अप, वायन बर्ग एलन स्कूल द्वितीय रनरअप रहे। अंडर 13 आयुवर्ग में आराध्या शर्मा, अंडर 15 में विविशा, अंडर 17 में तेजस्विनी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुकी गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी। मुख्य अतिथि अर्वाचिन भारती भवन के अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया।

श्रीअन्न उगाएं, समाज को निरोग बनाएं : डा. वली

-उत्तराखंड की जमीन श्रीअन्न की खेती के लिए उपयुक्त

देहरादून। देश के नामचीन आहार विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ खादर वली ने कहा कि श्रीअन्न की खेती के लिए किसी खास जमीन की जरूरत नहीं है। उत्तराखंड की जमीन श्रीअन्न की खेती के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि देश को डाक्टर नहीं किसान निरोग कर सकते हैं। डॉ खादर ने इंडियन पब्लिक स्कूल राजावाला में आयोजित मिलेट्स महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को ये बात कही। डा. वली ने कहा कि बाजार ने हमारे खानपान का तरीका खराब कर दिया है। इससे निजात पाने का एकमात्र उपाय श्रीअन्न का नियमित सेवन करना है। चावल, गेहूं, चीनी, मैदा और मिलावटी तेल खाने से हम बीमार हो रहे हैं। हमारे शरीर का ग्लूकोज संतुलन गड़बड़ा गया है। जिससे हम बीमार होते जा रहे हैं और समय से पहले मौत के मामले तक सामने आ रहे हैं। श्रीअन्न में अद्भुत औषधीय गुण हैं। कोदो, कुटकी, कंगनी, सावां और हरा सावां का नियमित सेवन करने से हम एक नही कई बीमारियों से बच सकते हैं। निजात पा सकते हैं। डॉ खादर ने कहा कि शरीर की अधिकांश बीमारियों की शुरुआत ग्लूकोज के असंतुलन से होती है। श्रीअन्न इस असंतुलन को दूर करने की अचूक दवा है। लेकिन हमने अपना स्वास्थ्य रसोई घर में खो दिया है और डाक्टर के पास जाकर स्वास्थ्य ढूँढ़ते हैं। समारोह की अध्यक्षता अवसर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ आर के सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के बिछाये जाल में हमलोग फंस चुके हैं ,जो हमें बीमार बनाने के कुचक्रमें वर्षों से लगा हुआ है। चावल, गेहूं और गन्ना के उत्पादन में हमने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। हालात यह हो गई है कि देश में जल संकट गहराने लगा है। एक किलो चावल के उत्पादन में 8 हजार लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है जबकि एक किलो गेहूं के उत्पादन में 10 हजार लीटर और एक किलो गुड़ बनाने में 28 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। जबकि एक किलो मिलेट (श्रीअन्न) के उत्पादन में महज ढाई सौ लीटर पानी की खपत होती है। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्मश्री रामबहादुर राय, सेवानिवृत्त आईएएस और इंडियन पब्लिक स्कूल के कार्यपालक अध्यक्ष डीके कोटिया, वरिष्ठ पत्रकार राधा रमण समेत कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

किशोरी से गैंगरेप के पांचों आरोपी जेल भेजे गए

देहरादून। आईएसबीटी परिसर में बस के भीतर 16 वर्षीय किशोरी से गैंगरेप के पांचों आरोपी जेल भेज दिए गए। लंबी पूछताछ के बाद सोमवार दोपहर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पांचों को रक्षा बंधन की छुट्टी के चलते दोपहर को ड्यूटी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। वहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। वहीं मुरादाबाद जिले से देहरादून पहुंचे पीड़ित के परिजनों के सोमवार को बयान दर्ज किए गए। गैंगरेप के इस मामले में बीते शनिवार को बाल कल्याण समिति की ओर से केस दर्ज किया गया। घटनाक्रम के अनुसार 12 अगस्त की रात करीब ढाई बजे आईएसबीटी पर करीब 16 वर्षीय किशोरी मिली। बाल कल्याण समिति टीम ने प्रारंभिक पूछताछ की तो वह अपने परिजनों के बारे में कुछ नहीं बता पाई। घटना की रात पुलिस को सूचित कर बालिका निकेतन ले जाया गया। वहां तीन दिन तक एक-एक कर चाइल्ड लाइन कउंसलर, बालिका निकेतन काउंसलर और बाल कल्याण समिति की महिला सदस्यों ने पूछताछ की। तब पता लगा कि बालिका को दिल्ली कश्मीरी गेट से रोडवेज बस का ड्राइवर अपने साथ बैठाकर दून लाया। यहां उसने और रोडवेज संचालन से जुड़े उसके साथ चार अन्य साथियों ने बस में बारी-बारी से गैंगरेप किया। इसके बाद पीड़िता को आईएसबीटी से पटियाला की बस में बैठाकर दून से भेजने की तैयारी थी। गनीमत रही कि इससे पहले ही उसे आईएसबीटी के सिक्योरिटी गार्ड ने देख लिया। तब वह बालिका निकेतन पहुंची। वहां तीन दिन की पूछताछ के बाद उसके साथ की गई दरिंदगी का पता लगा। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि मामले में रोडवेज की अनुबंधित बस के ड्राइवर धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार, रोडवेज के ड्राइवर राजपाल, कंडक्टर देवेंद्र और कैशियर का काम कर रहे कंडक्टर राजेश कुमार सोनकर को गिरफ्तार किया।

महिला पुलिस कर्मचारियों ने मंत्री जोशी को बांधी राखी

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी के आवास पर सोमवार को रक्षाबंधन के मौके पर महिला पुलिस कर्मियों ने मंत्री जोशी को राखी बांधी। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें तिलक लगाया और उन्हें मिठाई खिलाई। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने महिला पुलिस कर्मियों को उपहार भी भेंट किए। मंत्री जोशी ने ने कहा कि मैं पिछले 19 वर्षों से राखी का कार्यक्रम करवाता हूँ किन्तु इस वर्ष भतीजे के देहांत होने के कारण रक्षाबंधन उत्सव आयोजित नहीं हो सका। आवास पर पहुंची महिला पुलिस कर्मियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस आदर, सम्मान और स्नेह से उन्होंने मुझे राखी बांधी हैं, मैं एक भाई और जनसेवक होने के नाते उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। जोशी को चमोली और बागेश्वर के दूरस्थ क्षेत्र की देहरादून में तैनात महिला पुलिस कर्मियों ने राखी बांधी।

अल्मोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

अल्मोड़ा। भाई-बहन के बीच स्नेह को दर्शाने और अटूट रिश्ते को और प्रगाढ़ बनाने वाला रक्षाबंधन का त्योहार गुरुवार को सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके अच्छे जीवन की कामना की। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा का धागा बांधकर आरती करके उनकी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को विभिन्न तरह के उपहार देकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। भाई-बहनों ने रक्षा बंधन का पर्व प्रेम, विश्वास, धार्मिक और सामाजिक रीति रिवाजों के साथ मनाया। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर बच्चों में खासा उत्साह रहा। रंग बिरंगी कार्टून वाली और लाइट वाली राखियां बच्चों की पहली पसंद बनी। भद्रा के चलते कुछ बहनों ने भाइयों की कलाई पर तड़के तो बहुतों ने भद्रा समाप्त होने के बाद दोपहर के मूहूर्त में राखी बांधी। भद्रा सुबह 5 बजकर 53 मिनट से शुरू होकर 1 बजकर 32 मिनट तक थी। इस कारण रक्षा सूत्र धारण करने में भाईयों को प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर स्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, धनिष्ठा नक्षत्र समेत कई शुभ प्रभावकारी योग बने। ज्योतिष पंडितों ने रक्षा बांधने का शुभ मूहूर्त 1 बजकर 35 मिनट से लेकर 4 बजकर 20 मिनट तक बताया था। रक्षाबंधन के मौके पर सुबह से नगर के मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा। बहनें भाइयों की लंबी आयु की कामना करते नजर आईं।

रक्षाबंधन के पर्व पर बसों में उमड़ी भीड़, सीटों को लेकर मारामारी

रुद्रपुर। रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर सोमवार को रोडवेज स्टेशन में यात्रियों की भीड़ उमड़ गयी। यात्रियों की अधिक संख्या के बीच बसों में सीटों को लेकर मारामारी की स्थिति रही। बरेली मार्ग पर सोमवार को सबसे अधिक भीड़ रही। लोगों ने रोडवेज परिसर में घंटों यात्रा के लिए इंतजार किया। भीड़ के चलते बरेली मार्ग पर रोडवेज बसों के फेरे बढ़ाए गए। सोमवार को रुद्रपुर बस अड्डे पर सुबह से ही रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के लिए अपने घरों को जाने के लिए भीड़ जमा हो गई।

बरेली और दिल्ली के लिए यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ रही। काशीपुर, बरेली, बहेड़ी, मिलक जाने वाली बसों में सीट के लिए मारामारी दिखी। यात्रियों की बढ़ी संख्या को देखते हुए रोडवेज प्रबंधन को अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करनी पड़ी। बरेली, काशीपुर, टनकपुर रूट पर बसों की संख्या के साथ फेरे बढ़ाए गए। रुद्रपुर औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां लाखों की संख्या में बाहरी राज्यों के लोग रोजगार करते हैं। रक्षा बंधन का पर्व हो या फिर होली और दीपावली यहां से लोग अपने घरों को जाते हैं या फिर अन्य राज्यों में नौकरी करने वाले यहां आते हैं।

त्योहारों के मौके पर ट्रेनों में टिकट नहीं मिलने पर लोग बसों से सफर करते हैं। सरकारी और निजी संस्थानों में अवकाश के चलते रक्षाबंधन के त्यौहार पर लोगों के अपने घरों को जाने के लिए उत्साहित थे। भीड़ सोमवार को सुबह से ही उमड़नी शुरू हो गयी थी। बरेली और दिल्ली के लिए भीड़ सबसे अधिक रही। बरेली मार्ग पर 17 बसों को भेजा गया, जबकि पीलीभीत पूरनपुर के लिए पांच बसें लगाई गईं। इसके अलावा टनकपुर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार अन्य मार्गों में भी बसें भेजी गईं। डिपो के सहायक महाप्रबंधक केएस राणा ने बताया कि यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बरेली रूट पर चार के स्थान पर 17 बसें लगाई गईं। यात्रियों की सुविधा के लिए निगम की 32 और अनुबंधित 47 बसों का संचालन किया गया। लोकल रूट के लिए संचालित बसों के दो-दो फेरे बढ़ाए गए।

बहनों ने रोडवेज की बसों में किया निःशुल्क सफर

रुद्रपुर। रक्षाबंधन पर राज्य सरकार ने बहनों को रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा करने का तोहफा दिया है। भाइयों की कलाई पर राखी बांधने बहनें सरकारी बसों से भाइयों के घर निशुल्क पहुंची। सुबह से लेकर देर रात तक माताओं और बहनों ने रोडवेज में सफर किया। यात्रियों की भीड़ को लेकर लंबी दूरी से लेकर लोकल रूट की बसों के दो से अधिक फेरे बढ़ाए गए।

एआरएम केएस राणा ने बताया कि रक्षा बंधन को लेकर बहनों को रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा कराने के मुख्यालय से मिले आदेश के क्रम में बिना किसी परेशानी के बहनों को मुफ्त सफर की सुविधा दी जा रही है। महिलाओं को शून्य रुपये का टिकट दिया गया है। रक्षाबंधन को लेकर चालक-परिचालक समेत कार्यशाला में तैनात कर्मियों की छुट्टी निरस्त कर दी गई थी। निर्धारित किमी. से अधिक अर्जित करने वाले चालक-परिचालकों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

हर वर्ष की तरह इस बार भी सरकार ने महिलाओं को बसों में निःशुल्क सफर का तोहफा दिया है। रक्षाबंधन पर महिलाओं को बस में सफर करने का कोई किराया नहीं लिया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए निगम की 32 और अनुबंधित 47 बसों का संचालन किया गया। लोकल रूट के लिए संचालित बसों के दो-दो फेरे बढ़ाए गए। महिला यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी गई।

-केएस राणा, सहायक महाप्रबंधक रुद्रपुर डिपो

दोस्त और कस्टम अधिकारी बन 2.41 लाख की धोखाधड़ी

विकासनगर। साइबर ठगों ने पहले दोस्त बनकर गिफ्ट भेजने की बात कहकर और फिर कस्टम अधिकारी बनकर एक युवती से दो लाख 41 हजार रुपये ठग लिए। तहरीर के बाद सहसपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी ने बताया कि पूजा धीमान, निवासी निकट पंचायती भवन सहसपुर ने तहरीर देकर बताया कि उसके की ओर से शादी डॉट कॉम पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी। इसके बाद उसे एक फोन आया। जिसने खुद का नाम करन बताया और अमेरिका में रहना बताया। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। एक दिन उसने उसे गिफ्ट देने की बात कही। जिसके लिए उसने उसका आधार कार्ड और व्हाट्सएप नंबर मांगा। फिर दो अगस्त को उसके मोबाइल पर एक फोन आया। जिसने खुद को कस्टम अधिकारी बताया। कहा कि उनका एक पार्सल आया है। जिसकी वीडियो उसने उसे भेजी। फिर उसने 15 हजार रुपये भेजने का कहा।

सीपीडब्ल्यूडी इंजीनियर के घर लाखों की चोरी में सपेरा जनजाति के दो चोर गिरफ्तार

देहरादून। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) इंजीनियर के घर 16 अगस्त की रात हुई लाखों की चोरी का नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने पंजाब निवासी घुमंतू सपेरा प्रजाति के दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। आरोपियों से चोरी किए गए करीब 41 लाख रुपये के गहने और विदेशी डॉलर बरामद किए गए हैं। सीपीडब्ल्यूडी के रिटायर इंजीनियर सुरेंद्र सिंह गुसाईं अजबपुरकलां के कुमार गली में रहते हैं। 16 अगस्त की रात वह पत्नी संग घर में सोए थे। रात को उनके घर में चोर घुसे। चोरों ने सुरेंद्र सिंह जिस कमरे में सोए थे, उसकी कुंडी बाहर से बंद कर दी। इसके बाद घर से लाखों के गहने, विदेश डॉलर और कुछ अन्य कीमत सामान चुराकर ले गए। 17 अगस्त को मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान पाया कि पीड़ित का घर रेलवे ट्रैक के नजदीक है। ऐसे में चोरी बाहरी राज्य के चोर होने का अंदेशा हुआ। पुलिस ने मोथरोवाला स्थित सपेरा बस्ती में जाकर पूछताछ की। इस दौरान पता लगा कि 10-12 दिन पहले कुछ बाहरी युवक यहां देखे गए थे। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। रविवार रात दूधली रोड से 20 वर्षीय सौरभ पुत्र ठंडू और 22 वर्षीय मंदीप पुत्र चंडू दोनों निवासी मोहननगर थाना खेमकरन, जिला तरनतारन पंजाब को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से चोरी किए गए करीब 41 लाख रुपये के गहने, 100 अमेरिकी डॉलर, 100 कैनेडियन डॉलर, वारदात में लॉकर तोड़ने में प्रयुक्त औजार बरामद किए गए।

कोटी-इच्छाड़ी-मीनस मोटर मार्ग पर सफर करना हुआ खतरनाक

विकासनगर। जौनसार बावर क्षेत्र के 52 गांवों, मजरों और हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाला हरिपुर-कोटी-इच्छाड़ी-क्वनू-मीनस मोटर मार्ग चलने योग्य नहीं रह गया है। स्थानीय ग्रामीणों के बार-बार शिकायत के बाद जिम्मेदार महकमा और जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इस मार्ग से जुड़े ग्रामीण लंबे समय से क्षेत्रीय विधायक व मुख्यमंत्री तक से मार्ग सुधारीकरण और चौड़ीकरण की मांग कर चुके हैं, लेकिन किसी ने ग्रामीणों के इस दर्द को गंभीरता से नहीं लिया। सरकार ने इसे स्टेट हाइवे तो घोषित कर दिया, लेकिन मार्ग के सुधार के कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इस कारण 32 किलोमीटर लंबा यह मार्ग कई स्थानों पर बुरी तरह धंसा हुआ है। जल विद्युत परियोजना कोटी इच्छाड़ी के निर्माण के समय वर्ष 1962 में इस मार्ग का निर्माण हुआ था।

इससे 52 गांव व मजरों के साथ ही हिमाचल प्रदेश को भी यातायात सुविधा का लाभ मिला था। छिबरौ पावर हाउस व कोटी इच्छाड़ी बांध को जाने का यह मुख्य मार्ग है। नए राज्य के अस्तित्व में आने के बाद सुरंग एवं विद्युत गृह खंड डाकपत्थर और लोनिवि साहिया के बीच मार्ग के स्वामित्व को लेकर खींचतान चली, जिस कारण मार्ग के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया। बाद में इसे स्टेट हाईवे घोषित कर लोक निर्माण विभाग को इसके रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन साल दर साल बद से बदतर हो रहे इस मार्ग की दशा सुधाने को लेकर कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। उधर, लोनिवि साहिया की अधिशासी अभियंता रचना थपलियाल ने कहा कि मार्ग के सुधारीकरण और चौड़ीकरण के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

बैडमिंटन में देहरादून और हल्द्वानी की टीमें जीती

चमोली : कर्णप्रयाग के इंडोर स्टेडियम में आयोजित स्व. राजेंद्र सिंह रावत मैमोरियल राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में ओपन कैटेगरी में देहरादून और 40 प्लस श्रेणी में हल्द्वानी की टीमों ने जीत हासिल की।

इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से 28 टीमों ने भाग लिया। विजेता टीमों को पुरस्कार और ट्राफी प्रदान की गई। बीते दिन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में 40 प्लस श्रेणी में श्रीनगर और हल्द्वानी में बीच फाइनल मुकाबला हुआ। जिसमें हल्द्वानी की टीम विजयी रही। वहीं, ओपन कैटेगरी में देहरादून और श्रीनगर के बीच मुकाबला हुआ।

टोंस चेतावनी निशान से 90 सेमी ऊपर बही

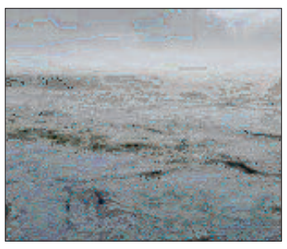

विकासनगर। यमुना और टोंस के ऊपरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से दोनों नदियों के जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो रही है। सोमवार को टोंस चेतावनी के निशान से 90 सेमी ऊपर बह रही थी। हालांकि इच्छाड़ी बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, बावजूद इसके प्रशासन ने एहतियात के तौर पर तटवर्ती क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया हुआ है। जबकि यमुना भी खतरे के निशान के करीब बही। सोमवार शाम को टोंस का जल स्तर 644.50 मीटर रहा जो चेतावनी बिंदु 643.60 मीटर के 90 सेमी अधिक है। दोपहर तक टोंस का जल स्तर 643.35 मीटर था, जो दोपहर बाद धीरे धीरे बढ़कर 644.50 मीटर पर पहुंच गया, जो खतरे के निशान 644.75 मीटर से मात्र 25 सेमी कम है। टोंस का जलस्तर बढ़ने पर कालसी थाना पुलिस की ओर से तटीय क्षेत्रों में मुनादी कराई गई। जिसमें सुरक्षा की दृष्टि से नदी किनारे रहने वाले लोगों और मछली, लकड़ी पकड़ने के लिए तटों पर जाने वाले ग्रामीणों को सावधान किया गया। एसडीएम कालसी योगेश मेहरा ने बताया कि टोंस का जल स्तर बढ़ना बरसात की सामान्य प्रक्रिया है। इच्छाड़ी बांध से धीरे-धीरे पानी को छोड़ा जा रहा है। वहीं सोमवार को यमुना 454.91 मीटर पर बही, जो खतरे के निशान 455.37 मीटर से 36 सेमी कम है। ऊपरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते यमुना के जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो रही है, जिससे प्रशासन अलर्ट मोड पर है। विकासनगर के एसडीएम विनोद कुमार ने बताया कि डाकपत्थर बैराज से डाउन स्ट्रीम में भीमावाला, ढकरानी, कुंजा, कुल्हाल तक तटवर्ती क्षेत्रों में लोगों का सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही नदी का जल स्तर बढ़ने की सूचना उत्तर प्रदेश के खारा पावर हाउस और हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज प्रबंधन को भी दी जा रही है।

पछुवादून के अस्पतालों में तीन दिन से ओपीडी बंद

विकासनगर। उप जिला अस्पताल समेत सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों में लगातार तीन दिन से ओपीडी बंद रहने का असर गरीब तपके के मरीजों पर पड़ा है। निजी अस्पतालों की फीस नहीं दे पाने के कारण उन्हें बिना उपचार कराए ही लौटना पड़ा। शनिवार से चिकित्सा कर्मियों के देशव्यापी कार्यबहिष्कार और सोमवार को रक्षाबंधन का अवकाश होने की वजह से 17 अगस्त से 19 अगस्त तक सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी का संचालन नहीं हुआ।

इसका सीधा असर मरीजों पर पड़ा है। 18 अगस्त को रविवार होने की वजह ओपीडी बंद। वहीं सोमवार को रक्षाबंधन का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण ओपीडी बंद होने की जानकारी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नहीं थी। लिहाजा बड़ी संख्या में मरीज उपचार कराने के लिए उप जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचे। यहां ओपीडी बंद होने पर मरीजों ने निजी अस्पतालों का सहारा लिया।

वहीं आर्थिक तौर पर कमजोर तबके के मरीज बिना उपचार कराए ही वापस लौट गए। हालांकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों का इमरजेंसी में उपचार किया गया। कुछ समय पहले तक सार्वजनिक अवकाश के दौरान भी ओपीडी का संचालन होता था।

स्वास्थ्य सचिव और एसएसपी ने महिला डॉक्टरों से किया सुरक्षा का वादा

देहरादून। देहरादून में स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार की ओर से रक्षाबंधन पर महिला डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लिए दून अस्पताल में राखी बंधन कार्यक्रम का आयोजन कर मिसाल पेश की। वहीं, एसएसपी अजय सिंह भी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। कोलकाता कांड के बाद डॉक्टरों के आक्रोश के बीच यह एक अहम कदम माना जा रहा है। एसआर डॉ. योगेश्वरी, पीजी डॉ. कंचन समेत महिला डॉक्टरों ने सुरक्षा का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। सचिव ने अस्पतालों में महिला सुरक्षा को नई एसओपी जारी करने की बात कही। इस दौरान निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना, प्राचार्य डॉ. गीता जैन, एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल, डीएमएस डॉ. धनंजय डोभाल, डॉ. एमके पंत, डॉ. एनएस बिष्ट, डॉ. अनिल जोशी, डॉ. अतुल कुमार सिंह, डॉ. नितिन शर्मा, डॉ. शिव यादव, डॉ. अंकुर पांडेय, डॉ. अमित अरुण, डॉ. योगेश्वरी कृष्णन, सीपीआरओ महेंद्र भंडारी, ओपीडी समन्वयक विनोद नैनवाल, सुरक्षा इंचार्ज भरत नकोटी आदि मौजूद रहे। उधर, एसएसपी अजय सिंह ने इमरजेंसी में 24 घंटे चौकी चलाने एवं आठ पुलिस जवान तैनात करने की बात कही। वहीं, पीजी डॉक्टरों ने सोमवार को अपना कार्य बहिष्कार जारी रखा और सुरक्षा व्यवस्था ठीक करने की मांग उठाई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com